हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 105 ● भिलाई, गुरुवार 12 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

पंजाब के संगरूर में बस फ्लाई ओवर की दीवार से टकराई, तीन यात्रियों की मौत

पंजाब। पंजाब के संगरूर जिले में बुधवार सुबह एक बस फ्लाईओवर की दीवार से टकरा गई, जिससे तीन यात्रियों की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह दुर्घटना उस समय हुई जब सरकारी पेप्सू रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (पीआरटीसी) की बस संगरूर जिले के धूरी से चंडीगढ़ जा रही थी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। घायल 24 यात्रियों में से 15 को पटियाला के एक अस्पताल में भेजा गया है, जबकि बाकी को संगरूर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हादसे में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया। मान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, संगरूर में पीआरटीसी बस के साथ हुए भीषण हादसे की खबर बेहद दुखद है। इस दुर्घटना में तीन लोगों की जान चली गई है और 24 घायलों में से 15 को पटियाला भेजा गया है। प्रशासन को सभी प्रभावित लोगों का मुफ्त इलाज कराने के निर्देश दिए गए हैं।

सीआरपीएफ कैंप पर आतंकी हमला, तीन जवान घायल, दो की हालत गंभीर, सर्च आपरेशन जारी

नई दिल्ली। जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की. इलाके में काउंटर ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है. क्विक रिएक्शन टीमों को भी मौके पर भेजा गया है. सूत्रों के मुताबिक कुलगाम में नाका ड्यूटी पर तैनात सीआरपीएफ जवानों पर बाइक सवार आतंकियों ने हमला किया। दोपहर करीब 2:15 बजे हमला हुआ। हमले में सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हुए हैं, इलाज जारी है और सुरक्षा बलों का सर्च ऑपरेशन जारी है। यह हमला कुलगाम जिले के अखरान इलाके में स्थित सीआरपीएफ के कैंप के पास हुआ है. इस आतंकी हमले में सीआरपीएफ के 3 जवान घाएयल हुए हैं, जिनमें से 2 जवानों की हालत गंएभीर बताई जा रही है।

ठंड का असर तेज: प्रदेश के 17 जिलों का पारा 15 डिग्री से कम, सुबह और शाम के समय ठंड बढ़ी

नई दिल्ली। दीपावली के बाद मध्यप्रदेश में ठंड का असर तेज हो गया है. हाल यह है कि, प्रदेश के 17 शहरों में न्यूनतम तापमान अभी से ही 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है. वहीं, अमरकंटक में सबसे कम 10.8 डिग्री तापमान दर्ज किया गया है. करौंदी में पारा 11.3 डिग्री पर पहुंच गया. वहीं, राजधानी भोपाल में इस बार ठिठुराने वाली ठंड पड़ने वाली है. वहीं, इस बार भोपाल और जबलपुर में ठिठुराने वाली ठंड मिलेगी. भोपाल और जबलपुर में 13 डिग्री तापमान दर्ज किया गया. पचमढ़ी में न्यूनतम तापमान 13.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया. यानी भोपाल और जबलपुर में पचमढ़ी से भी ज्यादा ठंड रही.

मोदी कैबिनेट के 5 बड़े फैसले

नोएडा को ग्रेटर नोएडा से जोड़ने वाली मेट्रो रेल परियोजना को मंजूरी दी

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कुल 77,101 करोड़ रुपये के पांच बड़े फैसलों को मंजूरी दी है। इसमें दिल्ली में दुनिया के सबसे बड़े 'युगे युगीन भारत म्यूजियम' के निर्माण और नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो के विस्तार से लेकर किसानों की खाद सब्सिडी, छोटे कारोबारियों की मुद्रा योजना और महिला व एससी-एसटी उद्यमियों के लिए स्टैंड-अप इंडिया फंड को आगे बढ़ाना शामिल है। नक्शे देखें कैबिनेट बैठक में पहला बड़ा फैसला भारत की समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को विश्व पटल पर प्रस्तुत करने के लिए लिया गया। इसके तहत दिल्ली के नॉर्थ और साउथ ब्लॉक की इमारतों का अनुकूल उपयोग करते हुए 'युगे युगीन भारत संग्रहालय' के विकास के लिए 3,230 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। सरकार का इरादा इसे दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम बनाने का है, जहां देश के हजारों साल पुराने इतिहास, कला और सभ्यता को आधुनिक तकनीक से प्रदर्शित किया जाएगा। इसकी पहली गैलरी साल 2027 में आम लोगों के लिए खुलेगी और इसमें हर साल 1 करोड़ पर्यटकों के आने की क्षमता होगी। दूसरे बड़े फैसले में मंत्रिमंडल ने नोएडा के सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-4 तक नई मेट्रो रेल परियोजना के विस्तार को मंजूरी दी है। करीब 8.5 किलोमीटर लंबे इस मेट्रो कॉरिडोर के निर्माण पर 2,390 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस नई मेट्रो लाइन के



बनने से रोजाना सफर करने वाले लाखों दैनिक यात्रियों, नौकरीपेशा लोगों और छात्रों को जाम से बड़ी राहत मिलेगी और दोनों शहरों के बीच आवागमन पहले से कहीं अधिक सुगम हो जाएगा। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी कि तीसरा फैसला किसानों के कल्याण को लेकर लिया गया है। इसके तहत अक्टूबर से मार्च तक चलने वाले रबी सीजन में उर्वरक सब्सिडी के लिए 62,370 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। यह मंजूरी सरकार की पोषक तत्व आधारित सब्सिडी व्यवस्था के तहत दी गई है, जिससे किसानों को फॉस्फेटिक और पोटाशिक उर्वरक सब्सिडी वाली किफायती कीमतों पर उपलब्ध कराए जा सकें। चौथे फैसले में केंद्रीय कैबिनेट ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत माइक्रो यूनिट्स के लिए क्रेडिट गारंटी फंड को अगले पांच साल तक जारी रखने की मंजूरी दी है। इस फंड के लिए सरकार ने 5,000 करोड़ रुपये की फंडिंग का प्रावधान किया है। इसके तहत मुद्रा योजना के अंतर्गत दिए जाने वाले कर्ज पर सरकार क्रेडिट गारंटी देगी, जिससे बैंकों और वित्तीय संस्थानों को छोटे कारोबारियों को कर्ज देने में मदद मिलेगी। इस व्यवस्था से कुल 12.6 लाख करोड़ रुपये के कर्ज को गारंटी की सुविधा मिल सकेगी।

एससी-एसटी और महिला उद्यमियों को बढ़ावा स्टैंड-अप इंडिया के लिए 4,111 करोड़ की मंजूरी

पांचवें फैसले में स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली 'स्टैंड-अप इंडिया' योजना को लेकर बड़ा निर्णय लिया गया। इस योजना के माध्यम से जो एससी-एसटी और महिला उद्यमी अपना व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, उनके लिए 4,111 करोड़ रुपये के क्रेडिट गारंटी फंड को अगले पांच साल और जारी रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इससे उद्यमियों को अपने बिजनेस की शुरुआत और विस्तार के लिए आसानी से संस्थागत लोन हासिल करने में मदद मिलेगी।

एम्स में कराया गया भर्ती

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की तबीयत अचानक बिगड़ी.....

नई दिल्ली। देश के पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के मुताबिक, बुधवार सुबह मॉर्निंग वॉक के दौरान धनखड़ अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। बताया जा रहा है कि वह कुछ मिनटों तक बेहोश रहे। उनके साथ मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल स्थिति संभाली और उन्हें पीसीआर वाहन से उनके आवास पर पहुंचाया। घटना के बाद उनकी स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए चिकित्सकीय सहायता की



व्यवस्था की गई। सूत्रों के अनुसार, घर पर आईएलबीएस की मेडिकल टीम और एम्स के डॉक्टर संदीप सेठ ने उनका टेस्ट किया। डॉक्टरों ने उनकी स्थिति का जायजा लेने के बाद आवश्यक प्राथमिक उपचार भी उपलब्ध कराया।



केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का कोलंबो,श्रीलंका में पहली बिम्सटेक स्वास्थ्य मंत्रियों की मीटिंग में हिस्सा लेने पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

मदर डेयरी के बाद अमूल ने बढ़ाये दूध के दाम

गोल्ड 4 रुपये और ताजा 2 रुपये प्रति लीटर महंगा

नई दिल्ली। आम जनता को महंगाई का डबल झटका लगा है। मदर डेयरी के बाद अब अमूल ने भी दूध के दामों में बढ़ोतरी का ऐलान कर दिया है। गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन ने 12 नवंबर 2026 से पूरे भारत में अपने प्रमुख पैकेट वाले दूध की कीमतों में लगभग 4 से 5 प्रतिशत की वृद्धि की है। मदर डेयरी द्वारा दूध की कीमतें बढ़ाने के ठीक बाद अब अमूल ने भी 12 नवंबर 2026 से पूरे देश में अपने पैकेट वाले दूध के दाम 4 से 5 फीसदी तक बढ़ा दिए हैं। नई दरों के तहत अमूल ताज़ा टोंड मिल्क 2 रुपये और अमूल गोल्ड 4 रुपये प्रति



लीटर महंगा हो जाएगा, जिससे आम लोगों के घरेलू बजट पर सीधा असर पड़ेगा। 'अमूल' ब्रांड नाम से दूध और डेयरी उत्पादों की मार्केटिंग करने वाली संस्था गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन ने दूध की कीमतों में संशोधन किया है।

कीर्ति आजाद का भगवान श्री राम पर विवादित बयान

माता सीता को त्यागा,मैं उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम नहीं मानता

नई दिल्ली/ एजेंसी

टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने भगवान श्री राम पर विवादित बयान दिया है। ममता बनर्जी के सांसद कीर्ति आजाद ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के राम मंदिर दौरे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मैं अयोध्या राम मंदिर नहीं जाऊंगा। कीर्ति आजाद ने कहा कि भगवान राम ने माता सीता को त्यागा था। मैं उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम नहीं मानता। उन्होंने तर्क दिया कि भगवान राम ने अग्नि परीक्षा के बाद भी मां सीता का त्याग किया था, जो



मिथिला की बेटी और उनकी मां हैं। मैं माता सीता के लिए लड़ता रहूंगा। कीर्ति आजाद ने अपने बयान में सवाल उठाया कि क्या देश के 3,200 करोड़ देवी-देवताओं में भगवान राम ही एकमात्र भगवान हैं? उन्होंने कहा, मैं वहां कभी नहीं जाऊंगा, क्योंकि भगवान राम ने अपनी पत्नी को त्याग दिया था। जबकि उन्होंने अग्निपरीक्षा भी पास कर ली थी। उन्होंने मां सीता को अपने घर से निकाल दिया था। मैं वहां क्यों जाऊं? टीएमसी सांसद ने खुद को मिथिला से जुड़ा बताते हुए कहा कि माता सीता मिथिला की बेटी थीं। वहां के हर व्यक्ति के लिए मां समान हैं। उन्होंने कहा कि मैं मां सीता की जन्मभूमि से आता हूं। वह मिथिला की बेटी थीं। मां सीता मेरी मां हैं। मिथिला के हर व्यक्ति के लिए मां सीता एक मां हैं। कीर्ति आजाद ने भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहे जाने पर भी सवाल उठाए।

सायरंग-कोलकाता एक्सप्रेस के छह डिब्बे पटरी से उतरे, कई यात्रियों के घायल होने की आशंका

नई दिल्ली। असम में गुवाहाटी के पास डिगारू में बुधवार सुबह सायरंग-कोलकाता एक्सप्रेस ट्रेन के छह डिब्बे और इंजन पटरी से उतर गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि किसी की मौत होने की फिलहाल कोई सूचना नहीं है, लेकिन कई यात्रियों के घायल होने की आशंका है। एक अधिकारी ने बताया कि मिजोरम के आइजोल के पास सायरंग से कोलकाता जा रही यह ट्रेन कामरूप (मेट्रोपोलिटन) जिले के डिगारू रेलवे स्टेशन के पास सुबह छह बजकर 54 मिनट पर पटरी से उतर गई।

सूरत-विजयवाड़ा टॉप-3 में इंदौर को क्या मिला

नवी मुंबई बना देश का सबसे स्वच्छ शहर-राष्ट्रपति द्रौपदी...

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश के सबसे स्वच्छ शहरों की सूची में इस बार नवी मुंबई ने बाजी मार ली है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 के पुरस्कार प्रदान किए। इसमें महाराष्ट्र के नवी मुंबई ने सुपर स्वच्छ लीग में पहला स्थान हासिल किया। गुजरात का सूरत दूसरे और आंध्र प्रदेश का विजयवाड़ा तीसरे नंबर पर रहा। पिछले संस्करण में इंदौर इस लीग में पहले स्थान पर था, जबकि सूरत दूसरे और नवी मुंबई तीसरे नंबर पर रहा था। इस बार नवी मुंबई ने अपनी रैंकिंग में सुधार



करते हुए शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में राजस्थान की राजधानी जयपुर को राज्य का सबसे स्वच्छ शहर चुना गया। वहीं, मध्य प्रदेश में ग्वालियर ने यह उपलब्धि हासिल की। इसके अलावा मेंटर सिटी कैटेगरी में गुजरात के अहमदाबाद ने पहला स्थान हासिल किया। इंदौर दूसरे और तिरुपति तीसरे नंबर पर रहे। इस बार स्वच्छ सर्वेक्षण में स्वच्छ शहर जोड़ी पहल के तहत मेंटर और मेंटी शहरों को जोड़ा गया। इसका उद्देश्य बेहतर स्वच्छता व्यवस्था वाले शहरों के अनुभव दूसरे शहरों तक पहुंचाना है। इसके तहत अहमदाबाद के साथ साणंद, इंदौर के साथ देपालपुर और तिरुपति के साथ कुप्पम को जोड़ा गया है। इन जोड़ों में अहमदाबाद, इंदौर और तिरुपति मेंटर शहर की भूमिका निभाएंगे। वहीं, साणंद, देपालपुर और कुप्पम को मेंटी शहर बनाया गया है।

कवर्धा में भीषण सड़क हादसा-दो मोटर साइकिलों की आमने-सामने टक्कर

महिला-बच्चा समेत चार लोगों की मौत,दो गंभीर रूप से घायल

कवर्धा। संवाददाता

भाई दूज के दिन कवर्धा जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने खुशियों के माहौल को मातम में बदल दिया। रणवीरपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के बनिया और गौरमाटी गांव के बीच दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस भीषण हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में दो पुरुष, एक महिला और एक बच्चा शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, दोनों मोटरसाइकिलों पर कुल छह लोग सवार थे। बनिया और गौरमाटी गांव के बीच दोनों बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई।



आसपास के लोग तत्काल मदद के लिए मौके पर पहुंचे।

एंबुलेंस और डायल 112 की टीम ने पहुंचाया अस्पताल

हादसे की सूचना मिलते ही एंबुलेंस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल थान खम्हरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। हादसे में चार लोगों की जान चली गई, जबकि दो घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

मृतकों की पहचान और हादसे की जांच में जुटी पुलिस

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। फिलहाल मृतकों की पहचान और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। भाई दूज के दिन हुए इस हादसे से क्षेत्र में शोक का माहौल है।

भाईदूज के दिन दो बहनों ने खोया अपना भाई,सिलतरा के एसकेएस इस्पात में गंवाई जान, 50 लाख मुआवजा की मांग



राजधानी से लगे औदयोगिक इलाके के पास धरसींवा में स्थित औद्योगिक इकाइयों में आए दिन हादसों की खबर सामने आती है. भाई दूज के पर्व पर भी सिलतरा की एसकेएस इस्पात एंड पावर लिमिटेड में दर्दनाक दुर्घटना हो गई. यहां काम करने वाले 23 साल के जामवंत वर्मा की आग में गंभीर रूप से झुलसने के कारण मौत हो गई. युवक अपनी दो बहनों का इकलौता भाई और माता-पिता का सहारा था.शोक सांत्वना पाएं जानकारी के मुताबिक, जामवंत वर्मा आग की चपेट में आकर बुरी तरह से झुलस गया था. इलाजे के लिए उसे निजी अस्पताल लगाया. जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इसके बाद सुबह करीब 6 बजे बड़ी संख्या में ग्रामीण फैक्ट्री के सामने पहुंच गए और नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया. प्रदर्शनकारियों ने प्रबंधन के सामने प्रमुख पर 3 मांगें रखी है मृतक के परिवार को 50 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए. मृतक की दोनों बहनों की पढ़ाई और शादी का पूरा खर्च उठाया जाए. मृतक के माता-पिता को पेंशन दी जाए. फिलहाल प्रशनकारियों की मांग और मामले को लेकर कोई स्पष्टीकरण प्रबंधन की ओर से सामने नहीं आया है.

संक्षिप्त समाचार

विद्यार्थियों ने किया मैत्री गार्डन का शैक्षणिक भ्रमण, पहली रेल यात्रा ने बच्चों के चेहरे पर बिखेरी खुशी



कोयलीबेड़ा। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ किताबी दुनिया से बाहर निकलकर वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ने के उद्देश्य से चारगांव-1 संकुल के छात्र-छात्राओं का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस भ्रमण के तहत बच्चों को भिलाई स्थित प्रसिद्ध मैत्री गार्डन ले जाया गया, जहां उन्होंने प्राकृतिक सुंदरता और आकर्षक वातावरण का आनंद लिया। पूरे भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह और उमंग देखने को मिली। इस यात्रा का सबसे यादगार अनुभव उन विद्यार्थियों के लिए रहा, जिन्होंने पहली बार ट्रेन में सफर किया। अब तक रेलगाड़ी को केवल तस्वीरों, किताबों या दूर से देखा करने वाले बच्चों को जब स्वयं ट्रेन में बैठकर यात्रा करने का मौका मिला, तो उनकी खुशी देखते ही बन रही थी। ट्रेन की आवाज, खिड़की से गुजरते दृश्य और सहपाठियों के साथ रेल यात्रा का अनुभव बच्चों के लिए बेहद रोमांचक रहा। पहली बार रेल में सफर करने वाले विद्यार्थियों के लिए यह यात्रा एक नई दुनिया से परिचित होने जैसा अनुभव लेकर आई। भिलाई पहुंचने के बाद विद्यार्थियों ने मैत्री गार्डन का भ्रमण किया। गार्डन की सुंदर हरियाली, प्राकृतिक वातावरण और आकर्षक स्थलों को देखकर बच्चे काफी प्रसन्न नजर आए। उन्होंने परिसर के विभिन्न हिस्सों का अवलोकन किया और अपने साथियों के साथ घूमते हुए खूब आनंद लिया। इस दौरान बच्चों को प्रकृति, पर्यावरण और आसपास की चीजों को नजदीक से देखने तथा समझने का अवसर भी मिला। शैक्षणिक भ्रमण में संकुल के शिक्षकगण भी विद्यार्थियों के साथ शामिल रहे। शिक्षकों ने यात्रा के दौरान बच्चों का ध्यान रखा और उन्हें विभिन्न स्थानों से संबंधित जानकारियां दीं। शिक्षकों के अनुसार इस तरह के भ्रमण से विद्यार्थियों को कक्षा में प्राप्त ज्ञान को वास्तविक परिस्थितियों से जोड़ने का अवसर मिलता है। साथ ही बच्चों में नई चीजें जानने की उत्सुकता, निरीक्षण करने की क्षमता, आपसी तालमेल और सामाजिक समझ विकसित होती है।



नलजल योजना की धीमी रफ्तार से बढ़ी ग्रामीणों की मुश्किलें, मरम्मत के लिए खोदे गए गड्ढे बन रहे खतरे का कारण

कोयलीबेड़ा। ब्लॉक मुख्यालय कोयलीबेड़ा में नलजल योजना की स्थिति लगातार सवालों के घेरे में है। घर-घर स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई इस योजना का लाभ आज भी लोगों को नहीं मिल पा रहा है। चार साल का समय बीत जाने के बावजूद नलों से पानी की आपूर्ति शुरू नहीं होना लोगों की परेशानी का कारण बना हुआ है। वहीं अब पाइपलाइन में सुधार और मरम्मत के नाम पर मुख्य मार्गों एवं सड़क किनारे जगह-जगह खुदाई की जा रही है। खुदाई के बाद बने गड्ढे खुले पड़े होने से आम नागरिकों के साथ वाहन चालकों के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। ऐसे में लोगों को पानी की समस्या से राहत तो नहीं मिली, उल्टे आवागमन में नई परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोयलीबेड़ा ब्लॉक मुख्यालय में वर्ष 2022 में नलजल योजना के अंतर्गत पाइपलाइन बिछाने का कार्य संबंधित ठेकेदार के माध्यम से प्रारंभ किया गया था। इस योजना के पीछे उद्देश्य था कि मुख्यालय के प्रत्येक घर तक पाइपलाइन के जरिए नियमित पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। शुरुआत में स्थानीय लोगों को लगा था कि योजना पूरी होने के बाद पानी के लिए होने वाली उनकी परेशानी दूर हो जाएगी। लेकिन समय बीतने के साथ लोगों की उम्मीदें अधूरी रह गईं। पाइपलाइन बिछाने का काम पूरा होने के बाद भी घरों में जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी। इसके विपरीत पाइपलाइन में तकनीकी खराबियां सामने आने लगीं और मरम्मत की जरूरत पड़ने लगी। इससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर भी सवाल उठने लगे हैं। इधर, इन दिनों कोयलीबेड़ा के विभिन्न मुख्य मार्गों और सड़क किनारे पाइपलाइन सुधारने के लिए खुदाई का काम किया जा रहा है। कई जगहों पर गहरे गड्ढे खोदकर छोड़ दिए गए हैं, जो राहगीरों के लिए परेशानी और दुर्घटना की आशंका बढ़ा रहे हैं। मुख्यालय के व्यस्त रास्तों से प्रतिदिन दोपहिया वाहनों सहित अन्य वाहनों का आवागमन होता है। ऐसे में सड़क किनारे खुले गड्ढों के कारण वाहन चालकों को काफी सतर्कता बरतनी पड़ रही है। दिन के समय तो गड्ढे दिखाई दे जाते हैं, लेकिन शाम और रात के अंधेरे में इनके कारण हादसा होने की आशंका और बढ़ जाती है। इसके बावजूद खुदाई वाले स्थानों पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नजर नहीं आ रहे हैं और न ही कार्य के बाद गड्ढों को तत्काल भरने की व्यवस्था दिखाई दे रही है।



श्रीदूधाधारी मठ एवं जैतू साव मठ में धूमधाम से मनाया गया गोवर्धन पूजा पर्व, गौ माता ने दिया नवजात शिशु को जन्म

रायपुर। स्थित श्री दूधाधारी मठ एवं जैतू साव मठ में गोवर्धन पूजा का पर्व बड़ी ही श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया। इस पावन अवसर पर गौ माता ने एक नवजात शिशु (बछड़े) को जन्म दिया, जिसे भगवान श्री कृष्ण के आशीर्वाद का प्रतीक मानकर श्रद्धालुओं ने हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया। गोवर्धन पूजा के अवसर पर गौ माता का विशेष श्रृंगार किया गया, विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई तथा गोवर्धन भगवान को छप्पन भोग अर्पित किया गया। श्रद्धालुओं ने गौ माता की परिक्रमा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज ने कहा कि -जब से श्री दूधाधारी मठ एवं जैतू साव मठ की स्थापना हुई है, तब से लेकर आज पर्यंत यहाँ गोवर्धन पूजा का पर्व आध्यात्मिक रूप से मनाया जाता है। यह गौ संरक्षण एवं संवर्धन का पर्व है, जिसे प्रत्येक सनातन धर्मावलंबियों को मनाना चाहिए। गौ सेवा ही सच्ची गोवर्धन पूजा है। कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट सत्यनारायण शर्मा, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश टीपी शर्मा, सुरेश शुक्ला, अजय तिवारी, दाऊ महेंद्र अग्रवाल, अनिल तिवारी, अशोक तिवारी, अनिल शर्मा, सी एल दुबे, रमेश यदु, जगन्नाथ अग्रवाल, निर्मल दास वैष्णव सहित नगर के अनेक प्रतिष्ठित नागरिक, समाजसेवी, श्रद्धालु भक्त एवं मठ के न्यासीगण सम्मिलित हुए। सभी ने गौ माता की पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना की। पूरे मठ परिसर को फूलों एवं दीपों से सजाया गया था। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

मिशन रक्षक के शारीरिक दक्षता परीक्षण में डिम्पल ध्रुव और धर्मेंद्र ने मारी बाजी

पुलिस एवं सुरक्षा बलों में भर्ती के लिए क्षेत्र के युवाओं को तैयार करने के उद्देश्य से कोयलीबेड़ा में संचालित





कोयलीबेड़ा। पुलिस एवं सुरक्षा बलों में भर्ती के लिए क्षेत्र के युवाओं को तैयार करने के उद्देश्य से कोयलीबेड़ा में संचालित मिशन रक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षणार्थियों का शारीरिक दक्षता परीक्षण आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार कांकेर से पहुंचे वरिष्ठ पीटीआई के मार्गदर्शन में आयोजित इस परीक्षण में प्रशिक्षण ले रहे युवक-युवतियों ने अपनी शारीरिक क्षमता, फिटनेस और अभ्यास का शानदार प्रदर्शन किया। आयोजित फिजिकल टेस्ट में महिला एवं पुरुष वर्ग के प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विभिन्न शारीरिक गतिविधियों में उनके प्रदर्शन के आधार पर अंक निर्धारित किए गए। पुरुष वर्ग में धर्मेंद्र ने 70 अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं सियाराम नुरेटी 59 अंकों के साथ दूसरे और सुनील 57 अंक प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में भी प्रशिक्षणार्थियों का प्रदर्शन सराहनीय रहा। डिम्पल ध्रुव ने 88 अंक प्राप्त कर पहला स्थान हासिल किया। मनीता 79 अंकों के साथ दूसरे तथा रमिता 73 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। वरिष्ठ पीटीआई की देखरेख में संपन्न हुए इस परीक्षण के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों की शारीरिक तैयारी और दक्षता का मूल्यांकन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को पुलिस एवं सुरक्षा बलों की भर्ती में निर्धारित शारीरिक मापदंडों और चुनौतियों के अनुरूप तैयार करना है। परीक्षण से प्रतिभागियों को अपने प्रदर्शन की वास्तविक स्थिति जानने और कमजोरियों को पहचानकर उनमें सुधार करने का अवसर भी मिला। गौरतलब है कि मिशन रक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम कोयलीबेड़ा सहित आसपास के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बनकर उभर रहा है। इसके माध्यम से युवाओं को पुलिस, आर्मी, बीएसएफ, सीआईएसएफ एवं अन्य सुरक्षा बलों में भर्ती होने के लिए शारीरिक प्रशिक्षण और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। विशेष रूप से ऐसे ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को स्थानीय स्तर पर तैयारी का अवसर मिल रहा है, जिन्हें पहले प्रशिक्षण के लिए दूर-दराज के स्थानों पर जाना पड़ता था। इस परीक्षण में सफल रहे प्रतिभागियों की उपलब्धि से अन्य प्रशिक्षणार्थियों का भी उत्साह बढ़ा है। खासकर महिला वर्ग में डिम्पल ध्रुव सहित अन्य युवतियों के बेहतर प्रदर्शन ने यह साबित किया कि ग्रामीण क्षेत्र की बेटियां भी सुरक्षा बलों में अपना भविष्य बनाने के लिए पूरी लगन और मेहनत के साथ आगे बढ़ रही हैं।

ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को स्थानीय स्तर पर तैयारी का अवसर

मिशन रक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम कोयलीबेड़ा सहित आसपास के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बनकर उभर रहा है। इसके माध्यम से युवाओं को पुलिस, आर्मी, बीएसएफ, सीआईएसएफ एवं अन्य सुरक्षा बलों में भर्ती होने के लिए शारीरिक प्रशिक्षण और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। विशेष रूप से ऐसे ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को स्थानीय स्तर पर तैयारी का अवसर मिल रहा है, जिन्हें पहले प्रशिक्षण के लिए दूर-दराज के स्थानों पर जाना पड़ता था। इस परीक्षण में सफल रहे प्रतिभागियों की उपलब्धि से अन्य प्रशिक्षणार्थियों का भी उत्साह बढ़ा है। खासकर महिला वर्ग में डिम्पल ध्रुव सहित अन्य युवतियों के बेहतर प्रदर्शन ने यह साबित किया कि ग्रामीण क्षेत्र की बेटियां भी सुरक्षा बलों में अपना भविष्य बनाने के लिए पूरी लगन और मेहनत के साथ आगे बढ़ रही हैं। मिशन रक्षक के माध्यम से युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और शारीरिक क्षमता विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रशिक्षणार्थियों ने भी अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए नियमित अभ्यास जारी रखने और आगामी भर्ती परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प लिया।

सरपंच सुनीता रमेश साहु के अथक प्रयासों से ग्राम पंचायत कोटेतरा में 35.95 लाख की दो सड़कों व 4 नग पुलिया निर्माण को मिली मंजूरी

मदन के घर से आगे और छापर से मुख्य सड़क तक बनेगी मिट्टी-मुरुम सड़क

- सरपंच व ग्रामीणों ने कलेक्टर श्रीमती जयश्री जैन, जिला सीईओ एवं एपीओ विजेंद्र सिंह ठाकुर का जताया आभार



सक्ती। ग्राम पंचायत कोटेतरा की सरपंच सुनीता रमेश साहु के अथक प्रयासों और सजग नेतृत्व से पंचायत में विकास के एक नए अध्याय की शुरुआत हुई है। ग्रामीणों की वर्षों पुरानी आवागमन की समस्या को दूर करते हुए सरपंच के विशेष प्रयास से दो महत्वपूर्ण मिट्टी-मुरुम सड़क और उनके साथ 4 नग पुल-पुलिया निर्माण कार्य को प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति मिल गई है। इन जनहितैषी कार्यों के लिए शासन द्वारा कुल 35.95 लाख रुपये की भारी-भरकम राशि स्वीकृत की गई है। इस बड़ी सौगात पर सरपंच एवं समस्त ग्रामीणों ने जिला प्रशासन सक्ती के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया है। स्वीकृत कार्यों के तकनीकी विवरण के अनुसार: 1. प्रथम कार्य: ग्राम पंचायत कोटेतरा के अंतर्गत मदन के घर से आगे मिट्टी-मुरुम सड़क निर्माण कार्य के लिए 17 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं।
2. द्वितीय कार्य: छापर से मुख्य सड़क की ओर मार्ग निर्माण के लिए 18.95 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।
3. विशेष प्रावधान: इन दोनों मार्गों पर जलभराव और पानी निकासी की समस्या को स्थाई रूप से खत्म करने के लिए 4 नग पुल-पुलिया का निर्माण भी इसी बजट के साथ स्वीकृत किया गया है। गौरतलब है कि ये दोनों मार्ग लंबे समय से अत्यंत जर्जर स्थिति में थे और पुलिया न होने के कारण बरसात के दिनों में रास्तों पर भारी कीचड़ व जलजमाव हो जाता था। इससे ग्रामीणों, स्कूली बच्चों और किसानों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था।

सरपंच एवं ग्रामीणों ने माना आभार-सड़कों व पुलिया की प्रशासकीय स्वीकृति मिलने पर ग्राम पंचायत कोटेतरा की सरपंच सुनीता रमेश साहु सहित ग्राम के प्रमुख नागरिकों एवं समस्त ग्रामीणों ने सक्ती जिला कलेक्टर जयश्री जैन, जिला पंचायत सक्ती के मुख्य कार्यपालन अधिकारी वासु जैन एवं जिला पंचायत सक्ती के एपीओ विजेंद्र सिंह ठाकुर का हृदय से आभार जताया है। ग्रामीणों का कहना है कि सरपंच की सक्रियता और अधिकारियों की संवेदनशीलता के कारण ही क्षेत्र की यह बड़ी समस्या दूर हो सकी है। गुणवत्ता के साथ जल्द पूरा होगा कार्य इस संबंध में सरपंच श्रीमती सुनीता रमेश साहु ने बताया कि, कलेक्टर महोदया और जिला पंचायत के अधिकारियों के सहयोग से हमारी पंचायत को यह बड़ी सौगात मिली है।

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर लंगेह ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

- धान खरीदी की तैयारियों में न बरतें लापरवाही, उपार्जन केंद्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें : कलेक्टर

महासमुंद। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज सुबह 10:30 बजे जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभागों के कार्यों एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने तथा जनहित से जुड़े कार्यों में तत्परता और गंभीरता बरतने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सु अनुपमा आनंद, अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, सभी एसडीएम एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। वहीं विकासखंड स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि शिकायतों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में प्राथमिकता से किया जाए। विशेष रूप से स्पेशल क्लोजर से संबंधित प्रकरणों में निर्धारित प्रक्रिया एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने अधिकारियों को लंबित शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग कर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बताया कि जिले के प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल 12 नवंबर को महासमुंद जिले के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे विभिन्न विभागों की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे।

सारंगढ़ बस स्टैंड के पास टायर दुकान में लगी आग



सारंगढ़ बिलाईगढ। जिले के बस स्टैंड के पास देर रात उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक टायर दुकान के ऊपर रखे पुराने टायरों और कबाड़ में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप लेना शुरू कर दिया। हालांकि, समय रहते दमकल की मदद से आग पर काबू पा लिया गया और एक बड़ा हादसा टल गया। यह मामला बस स्टैंड के पास का है, जहां देर रात करीब 11 बजे एक टायर दुकान के ऊपर रखे पुराने टायरों और कबाड़ में अचानक आग लग गई। आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। हालांकि, दीपावली का पर्व होने के चलते आशंका जताई जा रही है कि पटाखे की चिंगारी से आग लगी होगी। घटना की जानकारी मिलते ही नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अजय बंजारे दमकल वाहन के साथ मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। दमकल की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया इस आगजनी में पुराने टायर और कबाड़ जलकर खाक हो गए। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और न ही कोई बड़ी घटना घटी। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है। दीपावली के दौरान पटाखे जलाते समय सावधानी बरतना बेहद जरूरी है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला गुणवत्ता आश्वासन समिति की बैठक आयोजित

खैरागढ़। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल की अध्यक्षता में जिला गुणवत्ता आश्वासन समिति की बैठक आयोजित की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार शुक्ल के निर्देशन तथा सिविल सर्जन डॉ. आशीष शर्मा की उपस्थिति में आयोजित बैठक में परिवार नियोजन सेवाओं एवं जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं में गुणवत्ता सुधार गतिविधियों की समीक्षा की गई। बैठक में परिवार नियोजन क्षतिपूर्ति योजना के अंतर्गत परिवार नियोजन सेवा की असफलता से संबंधित एक प्रकरण पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। प्रकरण के तथ्यों, आवश्यक दस्तावेजों एवं निर्धारित प्रक्रियाओं का अवलोकन कर सुधारात्मक दिशा-निर्देश दिए गए। परिवार नियोजन सेवाओं में निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन, लाभार्थियों को उचित परामर्श, आवश्यक सावधानियां बरतने तथा प्रकरणों की समयबद्ध रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

बिहान योजना से विनीता सिंह को मिला आत्मनिर्भरता का संबल, स्वरोजगार से बनीं लखपति दीदी

- 15 हजार रुपये के ऋण से शुरू की छोटी दुकान, आज किराना बकरी पालन और सब्जी की खेती से मजबूत हुई आर्थिक स्थिति



अम्बिकापुर। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। योजना के माध्यम से स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं आर्थिक सहायता प्राप्त कर विभिन्न आजीविका गतिविधियों का संचालन कर रही हैं। इससे न केवल उनकी आय के साधन बढ़ रहे हैं, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति में भी सुधार हो रहा है। सरगुजा जिले के आकांक्षी विकासखंड लखनपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मुटकी की विनीता सिंह ने भी बिहान योजना से जुड़कर स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाया और आज लखपति दीदी बनकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं।

50 हजार रुपये के ऋण से बढ़ाया व्यवसाय, बकरी पालन से आय के नए अवसर

विनीता सिंह ने बताया कि दुकान संचालन से मिले अनुभव और समूह के सहयोग ने उन्हें व्यवसाय का विस्तार करने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उन्होंने समूह से 50 हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया। इस राशि का उपयोग दुकान में सामान बढ़ाने और व्यवसाय को आगे बढ़ाने में किया। साथ ही उन्होंने बकरी पालन का कार्य भी शुरू किया। इससे उनकी आजीविका के साधनों में वृद्धि हुई और परिवार को अतिरिक्त आर्थिक संबल मिला। उन्होंने अपनी मेहनत और समूह से मिले सहयोग के माध्यम से स्वरोजगार गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ाया।

सिंचाई साधन से मिली सुविधा, सब्जी की खेती को बनाया आजीविका का आधार

विनीता सिंह ने अपनी आर्थिक स्थिति को और बेहतर बनाने के लिए कृषि गतिविधियों की ओर भी कदम बढ़ाया। उन्होंने बताया कि पानी की पर्याप्त सुविधा नहीं होने के कारण खेती एवं घरेलू आवश्यकताओं में परेशानी होती थी। इस समस्या को दूर करने के लिए उन्होंने बोर के निर्माण की पहल की। इसके बाद समूह के माध्यम से डेढ़ लाख रुपये का ऋण स्वीकृत करवाकर बोर कराया। पानी की सुविधा उपलब्ध होने से उन्होंने सब्जी-भाजी की खेती शुरू की। दुकान संचालन और बकरी पालन के साथ सब्जी उत्पादन को भी आजीविका का माध्यम बनाकर विनीता ने आय के विभिन्न स्रोत विकसित किए।

नैला में लोक आस्था के महापर्व छठ की तैयारी तेज

रामप्रसाद तालाब घाट पर जुटेगी श्रद्धालुओं की भीड़, 13 से 16 नवंबर तक मनेगा उत्सव

- नहाय-खाय से उषा अर्घ्य तक चार दिनों तक चलेगा महाव्रत; छठ पूजा समिति ने शुरू की घाट की साफ-सफाई व सुरक्षा व्यवस्था



जांजगीर-चांपा। लोक आस्था और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ आगामी 13 नवंबर से 16 नवंबर तक जिलेभर में पूरी श्रद्धा और शुचिता के साथ मनाया जाएगा। पर्व को लेकर नैला क्षेत्र में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। यहां के प्रमुख धार्मिक केंद्र रामप्रसाद तालाब छठ घाट पर व्रतधारियों की सुविधा और पूजा अनुष्ठान को भव्य रूप देने के लिए तैयारियां युद्धस्तर पर शुरू कर दी गई हैं।

रामप्रसाद तालाब घाट पर 20 वर्षों से निरंतर आयोजन-नैला स्थित रामप्रसाद तालाब छठ घाट में पिछले 20 वर्षों से छठ पूजा का नियमित और वृहद आयोजन किया जा रहा है। छठ पूजा समिति जांजगीर-नैला के तत्वावधान में समिति अध्यक्ष शशि कुमार उपाध्याय की अगुवाई में इस वर्ष भी पर्व धूमधाम से संपन्न कराया जाएगा। समिति के कोषाध्यक्ष अनिल उपाध्याय ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत दो दशकों से यहां श्रद्धालुओं के लिए घाट की व्यवस्था, रोशनी, सुरक्षा और पूजा स्थल की व्यवस्था समिति द्वारा की जाती रही है।

13 नवंबर से चार दिवसीय अनुष्ठान की होगी शुरुआत

कार्तिक शुक्ल पक्ष की चतुर्थी से सप्तमी तिथि तक चलने वाले इस 36 घंटे के निर्जला महाव्रत की शुरुआत 13 नवंबर को नहाय-खाय के साथ होगी। इस दिन व्रती नदी या तालाब में स्नान कर सात्विक रूप से तैयार कद्दू-भात और चने की दाल का प्रसाद ग्रहण करेंगे। इसके अगले दिन 14 नवंबर को खरना (लोहंडा) का अनुष्ठान होगा, जिसमें दिनभर निर्जला उपवास रखकर संध्या पहर मिट्टी के चूल्हे पर बनी गुड़ की खीर (रसियाव) और रोटी का भोग लगाकर 36 घंटे का निर्जला व्रत आरंभ किया जाएगा।

संध्या और उषा अर्घ्य का रहेगा विशेष महत्व

पर्व के तीसरे दिन 15 नवंबर को अस्ताचलगामी सूर्य यानी डूबते हुए सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित किया जाएगा। इस दिन व्रती नए वस्त्र धारण कर बांस के सूप और दउरा में पारंपरिक प्रसाद ठेकुआ, मौसमी फल व पूजा सामग्री लेकर रामप्रसाद तालाब सहित विभिन्न जलस्रोतों के घाटों पर पहुंचेंगे। वहीं 16 नवंबर की सुबह उदीयमान यानी उगते हुए सूर्य को दूसरा अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही महापर्व का विधिवत पारण होगा।

संतान सुख और आरोग्यता का पावन प्रतीक

धार्मिक मान्यता के अनुसार छठ पर्व प्रत्यक्ष देवता सूर्य और उनकी बहन षष्ठी मैया (छठी मइया) की आराधना का प्रतीक है। यह एकमात्र ऐसा पर्व है जहां डूबते और उगते दोनों रूपों में सूर्य देव की उपासना की जाती है। मान्यता है कि यह कठिन व्रत संतान की लंबी उम्र, घर-परिवार में सुख-समृद्धि, आरोग्यता और मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिए पूर्ण निष्ठा के साथ रखा जाता है।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग को शादी का झांसा देकर अनाचार करने का आरोप, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। नाबालिग बालिका को शादी का झांसा देकर उसके साथ अनाचार करने के मामले में जांजगीर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान भुवन साहू, निवासी वार्ड क्रमांक 6 खोरसी, थाना शिवरीनारायण के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, 19 अक्टूबर 2026 को नाबालिग बालिका को अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले जाने की सूचना पर थाना सिटी कोतवाली जांजगीर में अपराध क्रमांक 862/2026, धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बालिका की लगातार पतासाजी की और उसे सकुशल बरामद कर लिया। विवेचना के दौरान सामने आया कि आरोपी भुवन साहू ने बालिका को शादी का झांसा देकर उसके साथ अनाचार किया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में की गई। कार्रवाई में उपनिरीक्षक बेलसज्जर लकड़ा, सहायक उपनिरीक्षक अरुण सिंह, मुकेश पाण्डेय, प्रधान आरक्षक अनिल सिंह एवं आरक्षक दिलीप सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

तुंहर टोकन ऐप में धान खरीदी के नए नियम लागू, रकबे के अनुसार मिलेंगे टोकन

रायपुर। धान खरीदी की प्रक्रिया को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए तुंहर टोकन मोबाइल ऐप में नए नियम लागू किए गए हैं। नई व्यवस्था के तहत किसानों को उनकी कृषि भूमि के रकबे के अनुसार टोकन जारी किए जाएंगे। वहीं, निर्धारित मात्रा से कम धान लाने पर शेष कोटे की पात्रता समाप्त हो जाएगी। नई व्यवस्था के अनुसार, दो एकड़ से कम रकबे वाले सीमांत किसानों को केवल एक टोकन मिलेगा। ऐसे किसानों को अपनी पूरी उपज एक ही बार में बेचनी होगी। दो से दस एकड़ तक भूमि वाले किसानों को दो टोकन जारी किए जाएंगे। वे अपनी उपज 50-50 प्रतिशत के अनुपात में दो बार बेच सकेंगे। इसी तरह दस एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों को अधिकतम तीन टोकन मिलेंगे। इनके माध्यम से किसान अपनी उपज क्रमश: 34, 33 और 33 प्रतिशत के अनुपात में बेच सकेंगे। टोकन प्राप्त करने के लिए किसानों का एग्रीस्टैक में पंजीयन अनिवार्य किया गया है। मोबाइल ऐप के माध्यम से रविवार से शुक्रवार तक सुबह 9:30 बजे से शाम 5 बजे तक टोकन बुक किए जा सकेंगे। किसान आगामी 30 दिनों तक के लिए अग्रिम टोकन भी प्राप्त कर सकेंगे। धान खरीदी के कुल टोकन में से 70 प्रतिशत मोबाइल ऐप के माध्यम से जारी होंगे, जबकि शेष 30 प्रतिशत टोकन उपार्जन समितियों के स्तर पर किसानों की सहमति से काटे जाएंगे। किसानों से अपील की गई है कि वे टोकन बुक करने से पहले ऐप में दिए गए दिशा-निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और अपनी सुविधा के अनुसार धान बिक्री की योजना बनाएं।

16 फरवरी से शुरू होंगी 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं

रायपुर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 की कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की फाइनल डेटशीट जारी कर दी है। जारी कार्यक्रम के अनुसार दोनों कक्षाओं की मुख्य परीक्षाएं 16 फरवरी 2027 से शुरू होंगी। कक्षा 10वीं की परीक्षाएं 9 मार्च तक, जबकि 12वीं की परीक्षाएं 9 अप्रैल 2027 तक आयोजित की जाएंगी। सीबीएसई के परीक्षा कार्यक्रम के मुताबिक, कक्षा 10वीं के विद्यार्थी इस बार कुल 83 विषयों की परीक्षा देंगे। वहीं, कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए कुल 121 विषयों की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। बोर्ड के अनुसार सभी परीक्षाएं सुबह 10:30 बजे से शुरू होंगी। विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा की तैयारी के लिए विषयवार समय-सारणी का ध्यान रखें। छात्र-छात्राएं विषयवार विस्तृत डेटशीट सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर डाउनलोड कर सकते हैं।

पुरानी रंजिश में घर में घुसकर मारपीट और जानलेवा हमला दो सगे भाई गिरफ्तार

रायपुर। पुरानी रंजिश को लेकर घर में घुसकर गाली-गलौच और मारपीट करते हुए जानलेवा हमला करने के मामले में जांजगीर पुलिस ने दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान विक्की ठाकुर उर्फ सोमेश सिंह राजपूत (27) और कन्हाई सिंह राजपूत (40), निवासी लच्छनपुर केराझरिया, जांजगीर के रूप में हुई है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त लकड़ी का डंडा भी जब्त किया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, घटना 5 नवंबर की रात की है। प्रार्थी नोहर नाथ गोस्वामी अपने नाती-पोतों को मोटरसाइकिल से लेकर चांपा की ओर जा रहे थे।

प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना

गोवर्धन पूजा प्रकृति के प्रति कृतज्ञता,गौसेवा और पर्यावरण संरक्षण का पावन पर्व-साय.....

- हमारी संस्कृति में गौमाता का विशेष स्थान, कृषि और ग्रामीण जीवन की समृद्धि से जुड़ी है गौसेवा की परंपरा : मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सपत्नीक की गौमाता की पूजा-अर्चना

रायपुर/ संवाददाता



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर जशपुर जिले के बगिया स्थित निवास में धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय के साथ विधि-विधान से गौमाता की पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने गौमाता को तिलक लगाकर उनका पूजन किया और आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण एवं गौमाता से प्रदेशवासियों के सुखी, समृद्ध और खुशहाल जीवन की प्रार्थना की तथा प्रदेश के खेत-खलिहान सदैव धन-धान्य से परिपूर्ण रहने की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व हमारी सनातन संस्कृति में प्रकृति, गौवंश और कृषि जीवन के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता का प्रतीक है। भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन लीला के माध्यम से प्रकृति के संरक्षण, जीव-जंतुओं के प्रति करुणा और सामूहिक कल्याण का जो संदेश दिया था, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौमाता को पूजनीय स्थान प्राप्त है। गौवंश हमारी कृषि परंपरा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग रहा है। गौसेवा केवल हमारी धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि प्रकृति और समस्त जीव-जगत के प्रति संवेदनशीलता तथा संरक्षण की हमारी सांस्कृतिक चेतना की भी अभिव्यक्ति है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोवर्धन पूजा का पर्व हमें स्मरण कराता है कि मानव जीवन की समृद्धि प्रकृति के साथ संतुलन और सहअस्तित्व में निहित है। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों और गौवंश की रक्षा करने की पौराणिक कथा हमें संकट के समय एकजुटता, परस्पर सहयोग और लोककल्याण की प्रेरणा देती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान श्रीकृष्ण एवं गौमाता से प्रार्थना की कि उनकी कृपा से छत्तीसगढ़ का हर परिवार सुखी और समृद्ध रहे, किसानों के खेतों में भरपूर फसल हो तथा प्रदेश निरंतर प्रगति और खुशहाली के पथ पर आगे बढ़ता रहे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति में भी गौवंश, खेती-किसानी और प्रकृति के प्रति गहरी आस्था रही है। गोवर्धन पूजा के साथ मनाया जाने वाला गौरा-गौरी पर्व हमारी समृद्ध लोकपरंपराओं और सामाजिक एकता का जीवंत उदाहरण है। ऐसे पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाने के साथ समाज को अपनी जड़ों से जोड़े रखते हैं।

बस्तर ओलंपिक में इस बार 6 लाख से अधिक खिलाड़ियों का पंजीयन

रायपुर। संवाददाता

बस्तर ओलंपिक के तीसरे संस्करण को लेकर बस्तर संभाग में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इस बार सातों जिलों से कुल 6 लाख 492 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। खास बात यह है कि प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए महिलाओं और बालिकाओं ने पुरुषों से अधिक उत्साह दिखाया है। पंजीकृत खिलाड़ियों में 3 लाख 83 हजार 94 महिलाएं और 2 लाख 18 हजार 398 पुरुष शामिल हैं। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता के मुकाबले तीन स्तरों पर होंगे। विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताएं 4 से 6 नवंबर तक, जिला स्तरीय मुकाबले 16 से 25 नवंबर तक और संभाग स्तरीय प्रतियोगिताएं 7 से 11 दिसंबर तक आयोजित की जाएंगी। विकासखंड स्तर के विजेता जिला स्तर और जिला स्तर के विजेता संभाग स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। उप मुख्यमंत्री एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने रिकॉर्ड संख्या में पंजीयन को बस्तरवासियों के उत्साह का प्रतीक बताया है। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक के पिछले दोनों आयोजनों ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। शासन और आम लोगों के बीच सीधा जुड़ाव मजबूत करने, युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने तथा उनकी रचनात्मक एवं खेल प्रतिभा को पहचानकर उन्हें खिलाड़ी के रूप में तैयार करने के उद्देश्य से लगातार तीसरे वर्ष इसका आयोजन किया जा रहा है। खिलाड़ियों का पंजीयन 1 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक किया गया। जिलावार आंकड़ों में कांकेर 1 लाख 23 हजार 216 पंजीयन के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद बस्तर जिले से 1 लाख 4 हजार 841, कोण्डागांव से 85 हजार 584, सुकमा से 80 हजार 313, दंतेवाड़ा से 80 हजार 175, नारायणपुर से 63 हजार 506 और बीजापुर से 62 हजार 857 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। बस्तर ओलंपिक में जूनियर वर्ग के अंतर्गत 14 से 17 वर्ष के बालक-बालिकाएं तथा सीनियर वर्ग में बिना आयु सीमा के महिला एवं पुरुष खिलाड़ी हिस्सा ले सकेंगे।

रामटेक क्षेत्र में बाघ की आहट,कनक बीरा से सिंघारी तक मिले पद चिन्ह

रायपुर। संवाददाता

जिले के ग्रामीण अंचलों में बाघ के विचरण की लगातार मिल रही खबरों से दहशत का माहौल है। कनकबीरा के रामटेक क्षेत्र से लेकर बरमकेला ब्लॉक के सिंघारी गांव तक अलग-अलग स्थानों पर बाघ के पदचिह्न मिलने की सूचना सामने आई है। वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचकर पदचिह्नों की जांच कर रहा है, लेकिन बाघ की वास्तविक लोकेशन और उसके विचरण की दिशा अब तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। जानकारी के अनुसार, सबसे पहले कनकबीरा के रामटेक क्षेत्र में बाघ के पदचिह्न मिलने की सूचना मिली थी। इसके बाद छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा से लगे बरमकेला ब्लॉक के बरधरा चौक और खैरगढ़ी के आसपास भी पदचिह्न देखे जाने की खबर सामने आई। अब सिंघारी गांव में किसान गंगाराम पटेल के खेत में पदचिह्न मिलने की सूचना से ग्रामीणों की चिंता और बढ़ गई है। अलग-अलग इलाकों में पदचिह्न मिलने से ग्रामीणों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि बाघ आखिर किस दिशा में विचरण कर रहा है। क्या वह गांवों के आसपास मौजूद है या जंगलों के रास्ते एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में जा रहा है? फिलहाल इन सवालों का स्पष्ट जवाब नहीं मिल पाया है। लगातार मिल रही सूचनाओं के बीच वन विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वे पदचिह्न मिलने की जानकारी विभाग को दे रहे हैं और वन अमला मौके पर पहुंचकर जांच भी कर रहा है, लेकिन बाघ की गतिविधियों और उसकी मौजूदा लोकेशन को लेकर स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। बाघ की मौजूदगी की आशंका से खेतों में काम करने वाले किसान, जंगल के आसपास रहने वाले ग्रामीण और मवेशी चराने जाने वाले लोग खासे चिंतित हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने सपरिवार मनाया गोवर्धन पूजा का पर्व, गौ माता को खिलाया प्रसाद



पीएम आवास योजना को मंजूरी

कांग्रेस में कोई अर्जुन नहीं,बल्कि दुर्योधन है -सांसद संतोष पाण्डेय

रायपुर/ संवाददाता



प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 को मंजूरी मिलने पर सांसद संतोष पाण्डेय ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के बाद सरकार ने सबसे पहले गरीबों के आवास से जुड़ा फैसला लिया। जिन आवासों को पिछली भूपेश बघेल सरकार के कार्यकाल में रोका गया था, उन्हें साय सरकार ने प्राथमिकता देते हुए स्वीकृति दी। प्रदेश के 84 नगरीय निकायों के लिए नए आवास मंजूर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को सिर पर छत उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। धनतेरस के अवसर पर मीडिया से चर्चा करते हुए सांसद ने राज्य सरकार की ओर से एक हजार से अधिक पदों पर भर्ती की घोषणा का भी स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने युवाओं को बड़ा तोहफा दिया है। अग्निवीर योजना के बाद छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए यह एक और महत्वपूर्ण सौगात है। कांग्रेस की रैली में शामिल नहीं होने वाले पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी को लेकर संतोष पाण्डेय ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पार्टी में लोग अपने-अपने विरोधियों के नाम कार्रवाई के लिए भेज रहे हैं। कुछ लोग कार्रवाई करने की तैयारी में हैं, तो कुछ कार्रवाई करवाने में लगे हैं। कांग्रेस में आपसी टकराव साफ नजर आ रहा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के उस बयान पर भी सांसद ने प्रतिक्रिया दी।

फर्जी संस्था बनाकर 113 करोड़ की साइबर ठगी, 21 राज्यों में 150 से अधिक लोगों को बनाया शिकार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की सूरजपुर पुलिस ने देशभर में फैले अंतरराज्यीय साइबर ठगी नेटवर्क का खुलासा किया है। जांच में 21 राज्यों में 150 से अधिक लोगों के साथ ऑनलाइन ठगी और 113 करोड़ 32 लाख 9 हजार 604 रुपये के संदिग्ध लेनदेन का पता चला है। इस मामले में पुलिस ने ग्राम गंगौटी निवासी देवनारायण चक्रधारी (32) को गिरफ्तार किया है। वहीं, उसका भाई महेश चक्रधारी पहले से जेल में बंद है। पुलिस के मुताबिक, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र से मिली रिपोर्ट के आधार पर जांच शुरू की गई थी। जांच में सामने आया कि देवनारायण चक्रधारी ने अपने भाई महेश के साथ मिलकर डीएन चक्रधारी एजुकेशन डेवलपमेंट एसोसिएशन नाम से एक फर्जी संस्था बनाई थी। इसी संस्था की आड़ में भारतीय स्टेट बैंक की सूरजपुर शाखा में बैंक खाते खुलवाए गए थे। पुलिस जांच के अनुसार, आरोपियों ने 8 लाख रुपये और प्रत्येक ट्रांजेक्शन पर कमीशन मिलने के लालच में संस्था के बैंक खातों की इंटरनेट बैंकिंग आईडी और पासवर्ड साइबर ठगों को सौंप दिए थे। इसके बाद गिरोह के सदस्य इन खातों का इस्तेमाल देशभर में लोगों से ठगी गई

साय ने प्रवासी छत्तीसगढ़िया गणेश कुमार कर को लिखी स्नेह भरी पाती

- मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा और विरासत को विदेशों में सहेजने के प्रयासों की सराहना की

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ की माटी से निकलकर सात समंदर पार अमेरिका में अपनी पहचान बनाने वाले छत्तीसगढ़ दंतेवाड़ा जिले के गणेश कुमार कर को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर स्नेह भरा पत्र लिखकर शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने विदेश में रहते हुए भी छत्तीसगढ़ की संस्कृति, भाषा और परंपराओं से जुड़े रहने तथा प्रवासी छत्तीसगढ़ियों को एकजुट करने के उनके प्रयासों की सराहना की है। मुख्यमंत्री का व्यक्तिगत पत्र प्राप्त होने पर गणेश कुमार कर ने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश जारी कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने पत्र में कहा कि दंतेवाड़ा से अमेरिका तक की गणेश कुमार कर की यात्रा प्रेरणादायक है। विदेश में व्यस्त जीवन के बावजूद अपनी जन्मभूमि, भाषा, संस्कृति और परंपराओं के प्रति उनका लगाव छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति गहरे अपनत्व को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अपनी जड़ों से जुड़े रहकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

शुभम सोनी को कब लाया जायेगा?

महादेव एप का तार पीएमओ तक सीबीआई पीएमओ की जांच करेगी-अध्यक्ष दीपक बैज

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि महादेव सट्टा एप मामले में एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को प्रत्यार्पित करके भारत फिर रायपुर लाया गया है। इस मामले में अभी तक सिर्फ सौरभ चंद्राकर को ही रायपुर लाया गया है। जबकि सौरभ के पार्टनर रवि उप्पल और शुभम सोनी अभी भी पकड़ से बाहर है, उन्हें कब पकड़ा जायेगा? शुभम सोनी ने विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान एक वीडियो में यह दावा किया था कि महादेव सट्टा एप का वह मालिक है तथा सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल उसके लिए काम करते है। शुभम सोनी के इस वीडियो को भारतीय जनता पार्टी ने अपने कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस करके जारी किया था। मतलब भाजपा भी शुभम सोनी के दावे से सहमत थी। शुभम सोनी के इसी दावे के आधार पर भाजपा ने कांग्रेस सरकार और हमारे तत्कालीन मुख्यमंत्री के ऊपर आरोप भी लगाया था। कांग्रेस का सवाल है शुभम सोनी को कब पकड़कर लाया जायेगा? उसके झूठे दावे के आधार पर पूरे विधानसभा चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस की तत्कालीन सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर राजनैतिक लाभ लिया था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि महादेव सट्टा एप के सौरभ चंद्राकर को ओमान से भारत लाया जाना संभव हो सका तो उसके पीछे कांग्रेस की भूपेश सरकार के ठोस प्रयास है। महादेव सट्टा एप के खिलाफ पहली एफआईआर से लेकर 72 एफआईआर तक दर्ज करने की ठोस कार्यवाहियां कांग्रेस की सरकार ने किया था। 500 से अधिक जप्तियां और गिरफ्तारियां भी कांग्रेस की सरकार ने ही किया था। सौरभ चंद्राकर को तो लाया गया है लेकिन रवि उप्पल, शुभम सोनी को कब लाया जायेगा? महादेव सट्टा एप को गूगल प्ले पर से कांग्रेस की भूपेश सरकार के अनुरोध पर



ही हटाया गया था। कांग्रेस की सरकार के समय ही रायपुर पुलिस की अर्जी पर सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी हुआ था। गेमिंग एप के खिलाफ सख्त कानून भी कांग्रेस की भूपेश सरकार ने ही बनाया था। इसके पहले तो गेमिंग सट्टा एप के खिलाफ भारत में कोई कानून ही नहीं था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि महादेव सट्टा एप को लेकर भाजपा ने विधानसभा चुनाव के पहले खूब प्रोपेगंडा किया लेकिन डबल इंजन की सरकार के बाद भी पिछले 3 साल से महादेव सट्टा एप क्यों बंद नहीं हुआ? आज भी महादेव सट्टा एप के विज्ञापन सोशल मीडिया साइट्स पर उपलब्ध है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि दिसंबर 2025 में महादेव एप मामले में तीन बड़े नाम सामने आए थे-प्रधानमंत्री के करीबी और पीएमओ के वरिष्ठ अधिकारी हीरेन जोशी, 23वें वित्त आयोग के सदस्य हितेश जैन और प्रसार भारती के अध्यक्ष नवनीत शहगल इन सबने महादेव सट्टा एप को संरक्षण दिया था, इसके प्रमाण सामने आये है। किसके कहने पर इन लोगों ने महादेव सट्टा एप को संरक्षण दिया? इस मामले में भाजपा आर्थिक सेल के पूर्व संयोजक विकास गर्ग की सक्रिय भूमिका और भागीदारी भी जगजाहिर है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग एप केंद्रीय सूचना प्रसारण विभाग से नियंत्रित होती है लेकिन महादेव सट्टा कांड के तार पीएमओ से लेकर लॉ कमीशन और प्रसार भारती तक के बड़े अधिकारियों पर आरोप लगे। पीएमओ के अधिकार और प्रधानमंत्री मोदी के करीबी हिरेन जोशी, हितेश जैन और प्रसार भारती के नवनीत शहगल जैसे लोगों पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई, बेहद स्पष्ट है कि सत्ता के संरक्षण के बिना यह संभव नहीं है।

संपादकीय

सैटेलाइट इंटरनेट की राह में मंजूरी की बाधा, कब दूर होगी नीतिगत असंगति?

भारत में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवाओं को मंजूरी पर हाल ही में विभिन्न पक्षों के बीच हुई खुलेआम तकरार एक व्यवस्थागत समस्या की ओर इशारा करती है। इस विवाद की शुरुआत टेक्सस की कंपनी स्पेसएक्स और टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ईलॉन मस्क के बयान से हुई। उन्होंने भारत में अपने संभावित प्रतिद्वंद्वियों पर निशाना साधते हुए उन्हें 'एकाधिकारवादी कारोबारी' कहा और प्रतिस्पर्द्धा को दबाने का आरोप लगाया।

मस्क ने विशेष रूप से संकेत दिया कि स्टारलिंक को सुरक्षा मंजूरी में देरी कराने में रिलायंस इंडस्ट्रीज की भूमिका हो सकती है। स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी है, जिसे स्पेसएक्स चलाती है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वह प्रतिस्पर्द्धा का स्वागत करती है। कंपनी ने यह भी कहा कि उसकी अपनी सेवा जियो सैटेलाइट कम्युनिकेशंस भी सुरक्षा मंजूरी का इंतजार कर रही है।

भारती एंटरप्राइजेज के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल भी इस जुबानी जंग में शामिल हो गए और कहा कि भारत में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवा शुरू करने के लिए उनकी कंपनी सबसे लंबे समय से कतार में है। केंद्र सरकार की ओर से संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पलटवार करते हुए कहा कि भारत किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार नहीं होने देता।

भारती एंटरप्राइजेज के समर्थन वाली यूटेलसैट वनवेब, स्टारलिंक और जियो सैटेलाइट में से हर किसी को भारत में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवा चलाने का लाइसेंस मिल चुका है। लेकिन सरकार से सुरक्षा मंजूरी मिले बिना वे व्यावसायिक रूप से अपनी सेवाएं शुरू नहीं कर सकतीं। बताया जाता है कि यूटेलसैट वनवेब को ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाय सैटेलाइट (जीएमपीसीएस) का लाइसेंस 2021 में ही मिल गया था।

जियो सैटेलाइट को 2022 में यह लाइसेंस मिला और स्टारलिंक को 2025 में यह लाइसेंस हासिल हुआ। जरूरी लाइसेंस मिलने के बाद भी यदि कंपनियां व्यावसायिक कामकाज शुरू नहीं कर सकतीं तो यह चिंता की और उन्हें कुंठा में डालने वाली बात है। लाइसेंस देने और फिर सुरक्षा मंजूरी के लिए वर्षों इंतजार कराने से पता चलता है कि नियामकीय व्यवस्था कितनी प्रतिकूल है। तब यह ज्यादा चिंताजनक है, जब सरकार सुधार की गति तेज करना, कारोबार को सुगम बनाना और विदेशी निवेश की आवक बढ़ाना चाहती हो। सैटेलाइट संचार के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए जरूरी है कि सरकारी विभाग और एजेंसियां अलग-अलग काम

नई परम्परा जिसकी भीड़ उसकी भैंस

(रघु ठाकुर)

इन दिनों समाचार पत्रों को पढ़ना एक पीड़ादायक काम हो गया है। शायद ही कोई दिन ऐसा जाता है कि प्रदेश व देश में मुख्य पृष्ठ पर ऐसी घटनायें न छपती हों, जो मन को व्यथित और शासन प्रशासन की अक्षमता को सिद्ध न करती हो। अभी कुछ दिनों पूर्व आरटीओ के छोटे से सिपाही या कर्मचारी की कार से लाखों रुपये का सोना और नगदी पकड़ी गई। बाद में खबर यह आई कि उसके पास अपार संपदा है, उन्हें गिरफ्तार किया गया, परंतु वे जेल में उन सब सुविधाओं के साथ रहेंगे जैसे वे कोई शासकीय मेहमान हों। इस प्रकार भ्रष्टाचार से कमाये करोड़ों रुपये की संपत्ति के जब्त होने की खबरें आये दिन मीडिया में पढ़ने और सुनने को मिल जाती है। भ्रष्टाचार के खिलाफ समाज इतना सहनशील और सहभागी बन चुका है कि ये खबरें किसी को उत्तेजित नहीं करती, बल्कि ऐसा लगता है कि अब भारी भ्रष्टाचार के समाचार लोगों को अपवाद छोड़कर उत्साहित और प्रेरित करते है। न केवल मप्र में बल्कि देश में सड़कों की स्थिति के पीछे भ्रष्टाचार की कहानी नजर आती है। यहां तक कि बड़े-बड़े नेशनल हाईवे जो खरबों रुपये से बने हैं, उनके बनने के कुछ ही माह में वे उखड़ गये। दिल्ली से उत्तराखंड जाने वाले राजमार्ग में तो पहली ही बारिश में बड़े-बड़े गडढे हो गये। क्या उखड़ते राजमार्ग भ्रष्टाचार की कहानी नहीं कहते? पिछले वर्षों में देश में अनेकों पुलों के गिरने के समाचार आये, जो अरबों रुपयों से बने थे और बनने के कुछ ही समय बाद गिर गये या बह गये तो देश में भ्रष्टाचार की असलियत सामने आयेगी।

6 अक्टूबर 2026 के भास्कर अखबार में खबर छपी है कि राजधानी के पास बच्चियों के स्कूल में टॉयलेट नहीं है, जबकि कई करोड़ रुपया स्वीकृति हो गया है। ग्वालियर में कुत्तों के परिवार नियोजन के नाम पर पैसा निकाल लिया गया। उनके ऑपरेशन के नाम पर जिन पशु चिकित्सकों का नाम दिया गया था वे न वहां पदस्थ थे, न उन्होंने एक भी कुत्ते का नियोजन किया था। परंतु ये सब भ्रष्टाचार की खबरें लोगों के मनों को नहीं हिलाती। ऐसा लगने लगा है कि लगभग हर व्यक्ति भ्रष्टाचार की तलाश में है और नये-नये मार्ग खोज रहा है।

अपराधों की स्थिति भी ऐसी है कि प्रतिदिन देश के हर कोने में हत्या, डकैती, बलात्कार की खबरें छपती हैं। दो चार दिन मीडिया में यह खबरें रहती हैं, तब तक कोई नई घटना घट जाती है तो पुरानी घटना लोग भूल जाते हैं। मप्र के धार में एक पटाखा फैक्ट्री जो घर के अंदर चल रही थी, विस्फोट हुआ, मजदूर मारे गये। फैक्ट्री को चलाने वाले सत्तापक्ष के नेता थे और इसलिये कुछ दिनों बाद सब शांत हो गया। ऐसी ही घटना उसके बाद हरदा में हुई तथा भोपाल-इंदौर मार्ग पर हुई परंतु भ्रष्टाचार का पेट सुरक्षा के मुख से भी बड़ा है, जो हर अपराध को निगल लेता और पचा लेता है। कितने ही स्कूलों की छतें गिरती हैं, छोटे-छोटे बच्चे दबकर मर जाते हैं। कुछ दिन राजनैतिक विलाप चलता है। सत्ता पक्ष कमेटी या आयोग गठित कर देता है। सख्त कार्यवाही की जायेगी, किसी को बख्शा नहीं जायेगा, ऐसे जुमलों के साथ समय निकल जाता है। प्रतिपक्ष के नेता घटनास्थल पर जाने की तीर्थ यात्रा करते हैं। मृतकों या परिजनों के साथ फोटो खिंचवाते हैं और एक जुमला कहकर कि हम और हमारी पार्टी पीड़ितों के साथ है, अपनी इतिश्री मान लेते हैं। अगर इस पर कोई शोध हो कि देशभर में आजादी के बाद से कितनी ऐसी घटना घटित हुई और है जो कमेटियां बनाई गई है, उनकी रपट, उनकी सिफारिशें आज कहां दबी है, कितने अपराधी गिरफ्तार हुये हैं, तो इससे भयावह त्रासदी की असलियत को जाना जा सकता है।

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली की सड़कों पर और सरकारी जमीन पर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये, परंतु स्थिति जस की तस है। सुप्रीम कोर्ट ने धार्मिक और सार्वजनिक स्थानों पर ध्वनि की सीमा बांधने का उपदेश दिया, इसके बावजूद स्पीकरों की आवाज और बढ़ गयी। सुप्रीम कोर्ट ने दीपावली के दिन पटाखों पर रोक लगाई, अन्य वर्षों की तुलना में अधिक पटाखे चले। पिछले दिनों रहवासी इलाकों में यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने वाले रहवासियों ने दस्तावेज पेश किये परंतु सुप्रीम कोर्ट मौन रहा।

देश के न्याय पालिका की भूमिका ऐसा लगता है कि सरकार को बचाने और आम लोगों में एक झूठा विश्वास जगाने का जरिया बन गई। जब कोई बड़ी घटना घटती है जो मीडिया में चर्चित होती है तो उसके बाद कोई न्यायपालिका में याचिका दायर हो जाती है। कभी न्यायपालिका संज्ञान लेती है। कुछ माह सुनवाई होती है। उनकी गैर हाजिरी पर नोटिस वारंट जारी होते हैं, उन्हें कुछ कहकर यथावत बहाल कर दिया जाता है और फैसले के नाम पर लंबी चौड़ी गाइडलाइन जारी की जाती है। जिसके बाद शायद ही कोई अफसर उसे पढ़ता हो, वकील पढ़ते हो, पत्रकार पढ़ते हो और जनता भी कभी याद नहीं करती। गाइडलाइन भविष्य के लिये बनती है और घटना के अपराधी छूट जाते हैं। न्यायपालिका की इन गाइडलाइनों पर शायद ही कभी कोई अमल हुआ हो। इतना अवश्य होता है कि जब फिर कोई वैसी ही दूसरी घटना घटती है, तो न्यायपालिका को याद आती है। नौकरशाही उस गाइडलाइन की चर्चा करने लगती है।

बड़े-बड़े मगरमच्छ जो समूची व्यवस्था को निगल रहे हैं, दोष मुक्त हो जाते हैं और तंत्र की कोई छोटी मोटी मछली को गुनाहगार बताकर कुछ दंड या चेतावनी देकर कथा समाप्त हो जाती है। एक महत्वपूर्ण सवाल है कि न्यायपालिका, गाइडलाइन, आयोग, कमेटी या फिर मीडिया के माध्यम से मीडिया में छपने वाली टिप्पणियां क्यों करती है, क्या न्यायपालिका नहीं जानती कि टिप्पणियों का कोई वैधानिक अर्थ नहीं है। जो अधिकारी सरकार के इशारे पर अपराध करते हैं और कराते हैं वे सरकार की नैय्या के खेबनहार और आँख के बाल बन जाते हैं। अपराध करने और कराने के लिये और फिर सरकार और तंत्र को बचाने के लिये उन्हें पदोन्नति मिलती है मलाईदार पद स्थान मिलता है। सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें पुनः नियुक्ति मिलती है, उनके बच्चों को बड़े-बड़े स्थान मिलते हैं। अब तो हालात यह है कि सर्वोच्च न्यायालय के एक पद पाने के लिये न्यायिक और न्याय संस्था के दायित्व के सम्मान को भुलाकर सत्ता पक्ष के बचाव के लिये वह कवच बन जाते हैं।

कितनी ही बड़ी घटना हो, प्रशासनिक असफलता हो, अब उसका दायित्व और जिम्मेदारी कोई नहीं लेता। आजादी के बाद दो तीन दशकों तक कम से कम इतनी शर्म तो थी कि केन्द्रीय मंत्री अपनी असफलता के लिये जिम्मेदारी स्वीकार करते थे और अपने मंत्री पद से त्याग पत्र दे देते थे, हालांकि यह त्याग पत्र देने की परंपरा एक प्रकार से नाटकीय राजनीति है । एक रेल दुर्घटना को लेकर स्व. लालबहादुर शास्त्री ने रेलमंत्री पद से इस्तीफा दिया था, वीपी सिंह ने उप्र के मुख्यमंत्री रहते डाकूओं के द्वारा उनके भाई की हत्या के बाद यह कहकर इस्तीफा दिया कि मैं अपना दायित्व पूरा नहीं कर सका, परंतु कुछ दिन बाद स्व. लालबहादुर शास्त्री, प्रधानमंत्री बने और वीपी सिंह केंद्रीय मंत्री और फिर प्रधानमंत्री बने। अब यह प्रश्न तो उठता ही है कि यह कैसी नैतिकता है। आपने मंत्री पद से इस्तीफा दिया तो आपका प्रधानमंत्री बनना कैसे उचित सिद्ध होगा? परंतु भारत का मीडिया तो और भी महान है, उन्होंने स्व. शास्त्री जी और वीपी सिंह के इस्तीफा देने की नैतिकता को आदर्श बताकर प्रचारित किया। परंतु छोटे पद की असफलता के बाद बड़े पद की योग्यता कैसे हासिल की जाती है, यह समझ के परे है। और अब यह नैतिक परंपरा तो पिछले लगभग चार पांच दशकों से समाप्त हो चुकी है। स्व. अटल जी के प्रधानमंत्री काल में संसद पर हमला हुआ था परंतु उन्होंने उस हमले को पद त्यागने का नैतिक आधार नहीं माना। श्री जॉर्ज फर्नांडीज रक्षामंत्री थे, उन पर आरोप लगे, उन्होंने इस्तीफा दिया था और रपट आने के पहले ही पुनः रक्षामंत्री बने गये। यानि नैतिकता को एक नये ढंग से परिभाषित कर दिया कि अगर रपट देर से आयेगी तो पुनः मंत्री बन सकते हैं। जिस प्रकार आजकल सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों के बाद यह परंपरा बनी कि अगर 3 माह में अपराधी के खिलाफ जांच पूरी कर चालान पेश नहीं होता है तो उसे जमानत दे दी जायेगी। अगर एक निर्धारित अवधि के बाद किसी अधिकारी को चार्जशीट नहीं दी जाती है तो उसका निलंबन स्वयं समाप्त हो जायेगा। अब किसी मंत्री, राजनेता, अधिकारी को कोई सफाई नहीं देना है, बस केवल इतना ही प्रबंधन करना है कि जांच की रपट या चार्जशीट या चालान निलंबित हो जाये। और फिर बहाली के बाद कौन याद रखता है, कौन पूछता है।

संविधान की मूल भावना है उत्तरदायी व्यवस्था की उत्तरदायी शासन की जो जनता के प्रति उत्तरदायी हो, उत्तरदायी शासन जो संसद और विधानसभा के लिये उत्तरदायी हो। परंतु विधायिका न्यायपालिका ने आपको संवैधानिक उत्तरदायित्व से मुक्त कर लिया है, एक प्रकार की अराजकता की स्थिति बन चुकी है। अपराधों के लिये जाति आधार पर देखा जा रहा है। अगर एक अपराधी आदिवासी के ऊपर शराब पीकर पेशाब करता है, तो सरकार उसे अपराध कहती है और सारे देश की उसकी बिरादरी उसे जाति अन्याय बताती है। उसके मकान को बनाने देशभर से लोग समर्थन देने पहुंचते हैं। गरीब या अशिक्षित आदिवासी न तो प्रतिकार कर पाता है, न बोल पाता है। ऐसी कितनी ही जाति श्रेष्ठता की अपराधिक घटनायें देश में रोज घट रही हैं। बहुत सारी घटनाओं को स्थान अभाव की वजह से मैं नहीं लिख रहा हूँ, मैं उनमें लिप्त अपराधियों को दण्ड मिले ऐसा चाहता हूँ।

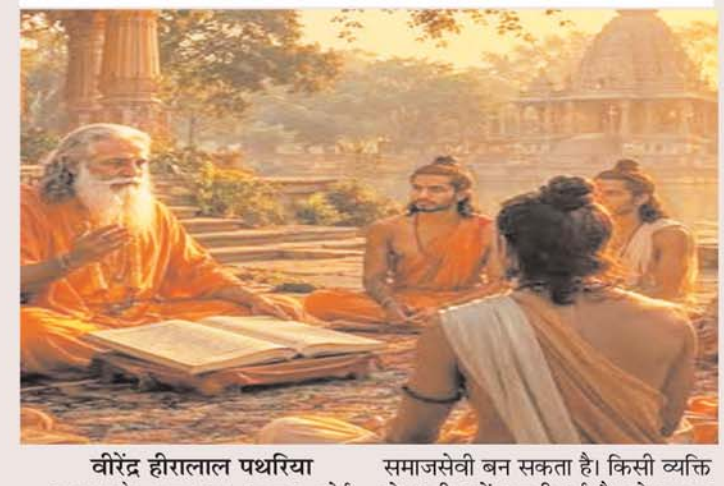
आमजन के मन में कानून के प्रति और उसे पालन करने के लिये कोई भाव नहीं बचा। अगर बलात्कार होता है तो उसे बचाने के बजाय मेरा बेटा अपराधी है, उसे दंड दिया जाये, यह कहने वाले कोई माता-पिता नहीं मिलते। सड़कों पर दिनदहाड़े वाहनों से लोग मार दिये जा रहे हैं न घर में सुरक्षा है, न सड़क पर, न अपराध से सुरक्षा है, न जानवर से। देश एक व्यवस्थाहीन अराजक हालात में तब्दील हो चुका है। मेरी राय में अब देश में उत्तरदायित्व का कानून बनना चाहिये।

1. जितने भी उच्च अधिकारियों व केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकारियों के लिये जो संवैधानिक सुरक्षा दी गयी, उसका उद्देश्य समाप्त हो चुका है। संविधान बनाते समय, सच्चाई से काम करने वाले अधिकारियों पर कोई झूठे आरोप न लगे, इनसे बचाने के लिये संविधान में सुरक्षा का प्रावधान किया गया था। यह सुरक्षा अपराधियों, अपराध और कर्तव्यहीनता को बचाने का माध्यम बन गयी है। इसलिये इसे समाप्त करना चाहिये।
2. हर अधिकारी को कामकाज करने के लिये वैधानिक अवधि और दायित्व कानून से निश्चित हो तथा उसमें चूक होने पर उन्हें बर्खास्त किया जाये। अधिकारियों और कर्मचारियों की चयन प्रक्रिया के समय ही कुल पदों का कुछ प्रतिशत पद चयन कर प्रतीक्षा सूची में रखे जाये ताकि आकस्मिक स्थिति होने पर उनसे काम लिया जा सके।
3. अब एक ऐसा समाज और व्यवस्था बन रही है कि उसमें भीड़ ही पुलिस है और भीड़ ही न्यायपालिका। अगर समूह है, भीड़ ज्यादा है तो सरकारें उसके समक्ष उनकी गलत बातें मानने को तैयार है। अगर भीड़ नहीं है तो सच बात भी मानने को तैयार नहीं है। इससे देश में एक भीड़ तंत्र की मानसिकता तैयार हो गयी है।

पहले कहा जाता था कि जिसकी (लाठी उसकी भैंस्य, अब कहावत है जिसकी भीड़-उसकी भैंस।) सरकारों और प्रशासन को अपनी इस परंपरा को बदलना चाहिये तथा सत्य को सुने, असत्य को नकारें, की पद्धति अपनानी चाहिये। मतदाताओं को भी विचार करना चाहिये कि बजाय छोटी-मोटी सुविधाओं पर वोट देने के न्याय आधारित शासन को वोट देना चाहिए। ऐसे प्रतिनिधि चुने जो निर्भय हो, निर्विवाद हो।

मैं अंत में देश को सावधान करना चाहूंगा कि जनमत ने अपने दायित्व को समझकर उसका निर्वहन नहीं किया तो देश का यह लोकतांत्रिक ढांचा भर-भराकर ढह जायेगा, और तानाशाही आयेगी।

कोई जन्म से महान नहीं होता, कर्म उसे महान बनाते हैं



वीरेंद्र हीरालाल पथरिया

मनुष्य के जन्म पर उसका कोई अधिकार नहीं होता। वह किस परिवार में जन्म लेगा, उसका सामाजिक परिवेश कैसा होगा और जीवन की शुरुआत किन परिस्थितियों में होगी, यह उसके हाथ में नहीं होता। लेकिन वह अपने जीवन को किस दिशा में ले जाएगा, अपने विचारों को कितना ऊँचा उठाएगा और अपने कर्मों से समाज को क्या देगा, यह बहुत हद तक उसके प्रयासों पर निर्भर करता है। शायद यही कारण है कि इतिहास में कुछ लोग अपने जन्म से नहीं, बल्कि अपने कर्मों से पहचाने जाते हैं। महर्षि वाल्मीकि का जीवन इसी विचार का एक प्रेरक उदाहरण है। महर्षि वाल्मीकि का स्मरण करते समय हमारे सामने केवल रामायण के रचयिता की छवि नहीं आती, बल्कि एक ऐसे व्यक्तित्व की छवि भी उभरती है, जो भारतीय परंपरा में आत्मपरिवर्तन, तपस्या और सृजन का प्रतीक बन गया। उनकी जीवनकथा से जुड़ी प्रचलित मान्यता में रत्नाकर के डाकू से महर्षि बनने का प्रसंग मिलता है। इस कथा का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि मनुष्य का अतीत चाहे जैसा रहा हो, उसके भीतर परिवर्तन की संभावना समाप्त नहीं होती। जब व्यक्ति अपने जीवन पर विचार करता है, अपनी गलतियों को पहचानता है और सही दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प लेता है, तो उसका भविष्य बदल सकता है। आज के समाज में इस संदेश की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। हम अक्सर किसी व्यक्ति को उसके नाम, परिवार, जाति, आर्थिक स्थिति, पेशे या पुराने परिचय के आधार पर परख लेते हैं। किसी की गरीबी देखकर उसकी क्षमताओं को कम आँकते हैं, किसी की सामाजिक पृष्ठभूमि के कारण उसके गुणों को अनदेखा कर देते हैं और किसी की पुरानी गलती को उसकी स्थायी पहचान बना देते हैं। हम भूल जाते हैं कि मनुष्य केवल वह नहीं है, जो वह कल था; वह वह भी है, जो आज बनने का प्रयास कर रहा है।

किसी मजदूर के हाथों में मेहनत की लकीरें हैं, तो इसका अर्थ यह नहीं कि उसके सपने छोटे हैं। किसी गरीब परिवार में जन्म लेने वाला बच्चा भी बड़ा वैज्ञानिक, शिक्षक, साहित्यकार या समाजसेवी बन सकता है। किसी व्यक्ति से अतीत में गलती हुई है, तो इसका अर्थ यह नहीं कि उसे सुधरने का अवसर ही न दिया जाए। समाज यदि हर व्यक्ति को उसके अतीत के आधार पर ही निर्णय सुनाता रहेगा, तो परिवर्तन के रास्ते बंद हो जाएंगे। सुधार का अवसर देना कमजोरी नहीं, बल्कि एक संवेदनशील और सभ्य समाज की पहचान है।

महर्षि वाल्मीकि की साहित्यिक विरासत भी हमें यही समझने का अवसर देती है कि शब्द केवल मनोरंजन का साधन नहीं होते। वे समाज की सोच को दिशा दे सकते हैं, मनुष्य के भीतर करुणा जगा सकते हैं और जीवन के कठिन प्रश्नों पर विचार करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। रामायण के माध्यम से उन्होंने भारतीय साहित्य और संस्कृति को ऐसी विरासत दी, जिसका प्रभाव पीढ़ियों तक बना रहा। यह सृजन किसी व्यक्ति को उसकी सामाजिक पहचान से आगे ले जाकर उसके विचारों और योगदान की महत्ता को सामने रखता है। हालाँकि, कर्म की महानता का अर्थ केवल प्रसिद्धि प्राप्त करना या इतिहास में नाम दर्ज कराना नहीं है। हर व्यक्ति के पास महान कार्य करने का अवसर अपने तरीके से होता है। भूखे को भोजन देना, निराश व्यक्ति को हिम्मत देना, किसी जरूरतमंद बच्चे की शिक्षा में सहायता करना, अपने काम को ईमानदारी से करना और किसी कमजोर व्यक्ति के सम्मान की रक्षा करना भी ऐसे कर्म हैं, जो समाज को बेहतर बनाते हैं। महानता हमेशा मंचों और पुरस्कारों पर दिखाई नहीं देती; कई बार वह किसी अनजान व्यक्ति की निस्वार्थ सहायता में छिपी होती है।

महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाने का वास्तविक अर्थ केवल उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करना या उनके जीवन की प्रशंसा करना नहीं है। इसका अर्थ उनके जीवन से मिलने वाली प्रेरणा को अपने व्यवहार में उतारना भी है। यदि हम किसी व्यक्ति को उसके जन्म के कारण छोटा समझते हैं, उसकी गलतियों के कारण उसे हमेशा के लिए नकार देते हैं या किसी जरूरतमंद को आगे बढ़ने का अवसर नहीं देते, तो हमें अपने विचारों पर पुनर्विचार करना चाहिए।

सऊदी अरब में हूतियों के हमले और इस्लामिक नाटो की स्वार्थपूर्ण नीति

एमबीएस ने सोचा था कि सऊदी अरब को सिर्फ तेल से नहीं बल्कि टूरिज्म, मनोरंजन, नए शहरों और विदेशी निवेश से आगे बढ़ाएंगे। इसके लिए उन्होंने देश को सुरक्षित, आधुनिक और खुला दिखाने पर पूरा ज़ोर लगाया था। एयरपोर्ट्स को दुनिया से जोड़ने वाले गेटवे बनाया, बड़े सम्मेलन बुलाए, निवेशकों को बुलाया लेकिन अब रियाद और दम्माम जैसे एयरपोर्ट बार-बार निशाने पर आ रहे हैं, फ्लाइटें रद्द हो रही हैं, लोग डरे हुए हैं। जब राजधानी में मिसाइलें गिरें और विदेशियों की जान जाए तो निवेशक और टूरिस्ट कैसे आएंगे? वो चमक जो उन्होंने बनाई थी, अब धुंधली पड़ रही है।

रामस्वरूप रावतसरे

सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के ग्रह नक्षत्र ख़राब ही चल रहे हैं। इजरायल ने बुलाया अमेरिका को कि ईरान पर हमला करना है। जंग अमेरिका और ईरान की और क्रॉसफायर में आ गया सऊदी अरब, वो सऊदी अरब जिसके पास तेल की ताकत है। वो सऊदी अरब जो ट्रंप के भरोसे बैठा था कि उसकी रक्षा अमेरिका करेगा और जब लगा कि नहीं कर पा रहा तो तुर्की और पाकिस्तान को ले आया था इस्लामी नाटो जैसे समझौते के नीचे लेकिन यह नाटो भी कुछ काम नहीं आ रहा। यमन के हूती लड़ाकों ने नाकों चने चबवा रखे हैं और वो एक-एक करके प्रिंस के सारे सपने तोड़ते जा रहे हैं।

अब दम्माम के एयरपोर्ट पर हमला हो गया। पहले रियाद के एयरपोर्ट पर हमला हो गया था। उसके तेल के कुओं पर हमले हो रहे हैं। उसकी तेल की रिफाइनरियों पर हमले हो रहे हैं। उसकी तेल की पाइपलाइन पर हमला हो चुका है। पाकिस्तान, तुर्की, अमेरिका कह रहे है हम संभाल लेंगे, लेकिन संभाल कोई नहीं रहा। मोहम्मद बिन सलमान चोट पर चोट खाए जा रहा है। बहुत जतन किए थे प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अपनी ताकत मजबूत करने के लिए। 2015 में जब उनके पिता किंग सलमान राजा बने तो उन्हें रक्षा मंत्री बनाया गया। तब से उन्होंने धीरे-धीरे सत्ता अपने हाथ में ली। 2017 में उन्होंने अपने





चचेरे भाई मोहम्मद बिन नायेफ को हटाकर खुद को क्राउन प्रिंस बना लिया। उसी साल रिट्ज-कार्लटन होटल में बड़े-बड़े राजकुमारों और व्यापारियों को गिरफ्तार करके ऐंटी-करप्शन अभियान चलाया। इससे विरोधियों को साफ संदेश गया कि अब उन्हें कोई चुनौती नहीं दे सकता।

प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने तेल पर निर्भरता कम करने के लिए बड़े-बड़े प्रोजेक्ट शुरू किए थे। नीओम नाम का दुनिया का सबसे आधुनिक शहर बनाने जा रहे थे। लाल सागर पर टूरिज्म प्रॉजेक्ट लॉन्च किए ताकि टूरिज्म सिर्फ हज और उमराह वाला ही ना हो। सिनेमाघर खोले, कॉन्सर्ट शुरू किए, महिलाओं को गाड़ी चलाने की इजाजत दी और वहां की धार्मिक पुलिस की सख़्ती कम की। जानकारों के अनुसार विदेश नीति में भी उन्होंने कई दांव खेले। पहले तो सारे दांव सही पड़ते गए। 2015 में यमन में हूती लड़ाकों के ख़िलाफ अभियान शुरू किया। कतर के खिलाफ नाकाबंदी लगाई। अमेरिका के साथ, खासकर ट्रंप के समय में, बहुत करीबी रिश्ते बनाए और भारी हथियार खरीदे। 2023 में चीन की मदद से ईरान के साथ भी समझौता कर लिया। इस्लामी देशों का लीडर कौन होगा शिया ईरान या सुन्नी सऊदी अरब, पहले यही तनाव चलता रहता था। वो तनाव कम करने के लिए ईरान के साथ भी समझौता कर लिया था क्योंकि उनको स्थिरता चाहिए थी ताकि उनका विजन 2030 साकार हो। दुनिया भर में बड़े-बड़े निवेश किए। फ़ुटबॉल क्लब खरीदे, गॉल्फ लीग शुरू की और खेलों के ज़रिए देश की छवि बदली।

यही नहीं, मोहम्मद बिन सलमान ने सऊदी अरब को सुरक्षित करने के लिए तुर्की और पाकिस्तान के साथ सिक्योरिटी पैक्ट किया। हूतियों के प्रचंड प्रहार के सामने कथित इस्लामिक नाटो की भी धज्जियां उड़ चुकी हैं। एमबीएस के नाम से प्रिंस दुनिया भर के चहेते होते जा रहे थे लेकिन 2026 में किसी की ऐसी नजर लगी कि सब दांव उल्टे पड़ते चले गए। ईरान अमेरिका युद्ध ने सब बदल दिया है। एमबीएस ने सोचा था कि सऊदी अरब को सिर्फ तेल से नहीं बल्कि टूरिज्म, मनोरंजन, नए शहरों और विदेशी निवेश से आगे बढ़ाएंगे। इसके लिए उन्होंने देश को सुरक्षित, आधुनिक और खुला दिखाने पर पूरा ज़ोर लगाया था। एयरपोर्ट्स को दुनिया से जोड़ने वाले गेटवे बनाया, बड़े सम्मेलन बुलाए, निवेशकों को बुलाया लेकिन अब रियाद और दम्माम जैसे एयरपोर्ट बार-बार निशाने पर आ रहे हैं, फ्लाइटें रद्द हो रही हैं, लोग डरे हुए हैं। जब राजधानी में मिसाइलें गिरें और विदेशियों की जान जाए तो निवेशक और टूरिस्ट कैसे आएंगे? वो चमक जो उन्होंने बनाई थी, अब धुंधली पड़ रही है।

एमबीएस को उम्मीद थी कि ट्रंप के साथ रिश्ते और हथियारों की खरीद से सऊदी अरब को ईरान और उसके समर्थन वाले गुटों से पूरी सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने सोचा था कि अमेरिका आगे खड़ा रहेगा लेकिन जब हूती विद्रोहियों के हमले बढ़े तो अमेरिका ने अपने स्टाफ और उनके परिवारों को सबसे पहले वहां से निकाल लिया। तीसरा दांव यमन में चला था प्रिंस ने कि हूतियों के खिलाफ लंबे समय से चल रही लड़ाई से उनका दक्षिणी बॉर्डर सुरक्षित रहेगा लेकिन सऊदी अरब के ट्रंप के साथ होने से ईरान ने हूती लड़ाकों को मदद और बढ़ा दी। जो बैलेंस एमबीएस बनाने की कोशिश कर रहे थे कि एक तरफ अमेरिका के साथ खड़े रहना और दूसरी तरफ ईरान के साथ शांति बनाए रखना, जब मुख्य लड़ाई छिड़ी तो ये संतुलन टूट गया। अमेरका से हथियार ख़रीदने का दांव भी फ़ेल हो गया। बताया जा रहा है जो सैकड़ों करोड़ों खर्च करके पेट्रियट जैसे एयर डिफेंस सिस्टम खरीदे अमेरिका से, वो काम नहीं आ पा रहे। ट्रंप अपने चुनावों में बिज़ी हैं। वो इस वक्त सिर्फ जुबानी मदद पहुंचा रहे हैं।

जानकारों की माने तो मोहम्मद बिन सलमान का रक्षा समझौता था तुर्की और पाकिस्तान के साथ लेकिन वो भी काम नहीं आ रहा। पाकिस्तान और तुर्की दोनों सीधे लड़ाई में नहीं उतर रहे। कहने को तो पाकिस्तान समझौते को इस्लामिक नाटो बोल रहा था लेकिन जब लड़ने की बारी आई तो दोनों अपने हित देख रहे हैं। तुर्की ने साफ कह दिया है कि वो आक्रामक लड़ाई में नहीं उतरेगा। उसके विदेश मंत्री ने कह दिया कि तुर्की किसी दूसरे देश की जमीन पर जाकर हमला करने के लिए फौज नहीं भेजेगा। समझौता रक्षा के लिए है, हमले के लिए नहीं।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय की महिला बास्केटबॉल टीम ईस्ट जोन प्रतियोगिता में भाग लेने त्रिपुरा रवाना

सरगुजा की बेटियां दिखाएंगी बास्केटबॉल में दम, संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय की टीम त्रिपुरा रवाना

अम्बिकापुर। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा अम्बिकापुर की महिला बास्केटबॉल टीम अंतरविश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए त्रिपुरा रवाना हो गई है। ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 11 नवंबर से 15 नवंबर 2026 तक त्रिपुरा विश्वविद्यालय में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता के लिए संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय की टीम में सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ की 12 महिला खिलाड़ियों का चयन हुआ है। चयनित खिलाड़ियों में साक्षी तिर्की, प्रीति मिंज, सुष्मिता चौहान, रिमझिम मिश्रा, संशिता एक्का, हिमांशी सिंह, आकांक्षा किस्पोट्टा, श्रेया दास, रिबिका लकड़ा, प्रिया जायसवाल, कुमकुम पैकरा एवं सोनाली तिर्की शामिल हैं। इस प्रतियोगिता के लिए के. आर. टेक्निकल कॉलेज के क्रीड़ाधिकारी रजत सिंह को टीम कोच तथा होली क्रॉस कॉलेज की क्रीड़ाधिकारी राधा खलखो को टीम मैनेजर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। राष्ट्रीय



कोच श्री राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय की महिला बास्केटबॉल टीम ने ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया था और ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया था। इस वर्ष भी टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि सभी खिलाड़ी गांधी स्टेडियम, अम्बिकापुर में नियमित रूप से अभ्यास करती हैं और प्रतियोगिता के लिए लगातार मेहनत कर रही हैं। वहीं समाजसेवी एवं वरिष्ठ खिलाड़ी संजय अग्रवाल ने विश्वविद्यालय की टीम में चयनित सभी महिला खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि सरगुजा जिले के लिए गौरव का विषय है। खिलाड़ियों को बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय एवं सरगुजा जिले का नाम रोशन करेगी। चयनित खिलाड़ियों को सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ के निशांत सिंह गोल्डी, के.पी. सिंह, गौरव सिंह, सौरभ सिन्हा सहित के.आर. टेक्निकल कॉलेज एवं संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय परिवार ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस-भारत का राष्ट्रीय शिक्षा दिवस दिवस (11 नवम्बर) पर विशेष जानकारी



चांपा। यह दिवस भारत देश के पहले शिक्षा मंत्री एवं भारत रत्न से सम्मानित मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की याद में हर 11 नवम्बर को मनाया जाता है। वैधानिक रूप से इसका प्रारम्भ वर्ष 2008 से किया गया है। मौलाना अबुल कलाम आजाद का जन्म 11 नवम्बर 1888 को हुआ था। वे भारत के पहले शिक्षा मंत्री थे।

भारत की राष्ट्रीय शिक्षा संस्थाएं- ÷शान्ति निकेतन÷ अर्थात् ब्विश्व भारती' विश्वविद्यालय भारत की सर्वोत्कृष्ट राष्ट्रीय शिक्षा संस्था है जिसकी स्थापना डा। रवीन्द्रनाथ टैगोर ने 1901 ई. में की थी। ब्रिटिश शासन के विरुद्ध देश में जिस पुनर्जागरण तथा क्रांति के आन्दोलनों का सूत्रपात हुआ उनके कर्णधार राजा राममोहनराय, स्वामी विवेकानन्द, स्वामी दयानन्द, अरविन्द घोस, रवीन्द्रनाथ टैगोर आदि देशभक्त थे। इन महापुरुषों ने जहाँ विविध क्षेत्रों में अपने मौलिक विचार प्रस्तुत किये, वहां शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्त्वपूर्ण प्रयास किये। इन्होंने भारत में अँग्रेजी शिक्षा के विनाशकारी प्रभाव को समझ कर देश की सभ्यता एवं संस्कृति के अनुकूल शिक्षा के भारतीयकरण का प्रयास किया तथा अनेक राष्ट्रीय शिक्षा संस्थाओं की स्थापना कर लोगों में देशभक्ति की चेतना जाग्रत की। हरिद्वार की गुरुकुल कांगड़ी, अहमदाबाद की गुजरात विद्यापीठ, बनारस की काशी विद्यापीठ, बोलपुर (प. बंगाल) की शांति-निकेतन या विश्व भारती आदि इसी प्रकार के राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र थे। इन महापुरुषों एवं उनके द्वारा संस्थापित इन शिक्षा-संस्थाओं का भारतीय राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन में महत त्वपूर्ण योगदान रहा था।.....

संकलन कर्ता -डॉ .क्रांति खूंटे ,(अन्तर्राष्ट्रीय महिला शिक्षा पुरस्कार से सम्मानित)कसडोल

सुपेला चौक में बस स्टैंड व ऑटो स्टॉप की मांग को लेकर स्क्कको ज्ञापन

भिलाई। जनहित संघर्ष समिति के संरक्षक श्री कन्हैया सोनी * के नेतृत्व में आज प्रतिनिधिमंडल ने *माननीय वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री विजय अग्रवाल जी को ज्ञापन सौंपकर सुपेला चौक में बस स्टैंड एवं ऑटो स्टैंड बनाने की मांग की ।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय ने ज्ञापन पर तत्काल कार्रवाई करते हुए सुबह स्थल का मुआयना करवा कर आगे की कार्य योजना तैयार करने का आश्वासन दिया । संयोजक श्री शारदा गुप्ता जी ने बताया कि सुपेला चौक में रायपुर की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए व्यवस्थित बस स्टैंड एवं ऑटो स्टॉप बनाया जाए । सुपेला चौक भिलाई का सबसे व्यस्त चौक है । रायपुर की ओर जाने के लिए कोई निर्धारित स्टॉप नहीं होने से यात्रियों को भारी परेशानी होती है ।



बसें और ऑटो बेतरतीब खड़े होने से आए दिन जाम और दुर्घटना की स्थिति बनती है । यदि व्यवस्थित बस स्टैंड और ऑटो स्टॉप बना दिया जाए तो यात्रियों को सुविधा होगी और ट्रैफिक व्यवस्था भी सुधरेगी । इस अवसर पर कन्हैया सोनी, शारदा गुप्ता, निशु पांडे, सुभाष शर्मा, सुनील मौर्य, विनोद उपाध्याय सहित प्रमुख साथीगण उपस्थित रहे ।

जनजातीय गौरव सप्ताह के तहत लखनपुर में ब्लॉक स्तरीय करमा महोत्सव का भव्य आयोजन, 12 नृत्य दलों ने बिखेरी लोक संस्कृति की छटा; नन्हीं बच्चियों की प्रस्तुतियां बनीं आकर्षण का केंद्र

मांदर की थाप पर पोते के साथ थिरके पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, करमा नृत्य की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

भिलाई। जनजातीय गौरव सप्ताह के अंतर्गत बुधवार 11 नवंबर को लखनपुर के साक्षरता मिनी स्टेडियम में ब्लॉक स्तरीय जनजातीय लोक नृत्य (करमा महोत्सव) प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। मांदर की गूंजती थाप, पारंपरिक करमा गीतों और रंग-बिरंगे परिधानों में सजे कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को आदिवासी लोक संस्कृति के रंग में सराबोर कर दिया। इस दौरान छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल भी खुद को थिरकने से नहीं रोक सके। वे अपने पोते को कंधे पर लेकर मांदर की थाप पर कलाकारों के साथ ताल से ताल मिलाते नजर आए। उनका यह अंदाज कार्यक्रम का सबसे खास आकर्षण रहा।कार्यक्रम का शुभारंभ



मुख्य अतिथि पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने भारत माता, छत्तीसगढ़ महतारी एवं भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलित करते हुए किया। सुबह 11 बजे से शुरू हुए इस आयोजन में जनजातीय परंपराओं, लोकगीतों और सांस्कृतिक विरासत की जीवंत झलक देखने को मिली। जैसे ही मांदर की थाप गूंजी, पारंपरिक वेशभूषा में सजे नृत्य दलों ने सामूहिक करमा नृत्य की शानदार प्रस्तुतियां दीं। पूरा स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। 74 ग्राम पंचायतों के कलाकारों की प्रतिभा का हुआ प्रदर्शन-करमा महोत्सव में विकासखंड के चार सेक्टर तुरना, कोरजा, लोसगा और केवरा के अंतर्गत आने वाली 74 ग्राम पंचायतों के नृत्य दलों ने सहभागिता की। सेक्टर स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता रहे कुल 12 नृत्य दलों ने ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी पारंपरिक कला और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों के माध्यम से जनजातीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा को मंच पर जीवंत कर दिया। नन्हीं बच्चियों ने अपनी प्रतिभा से जीता सबका दिल-महोत्सव में छोटी-छोटी बच्चियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। कम उम्र में ही बड़े कलाकारों के साथ कदम से कदम मिलाकर पारंपरिक करमा नृत्य करती बच्चियों का उत्साह और आत्मविश्वास देखते ही बन रहा था। उनकी मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इन नन्हीं प्रतिभाओं ने यह भी संदेश दिया कि जनजातीय लोक संस्कृति और परंपराओं की विरासत नई पीढ़ी तक लगातार पहुंच रही है। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में जय शिव शारदा करमा पार्टी परसोढ़ी और शैला पार्टी तराजू दिखाएंगे प्रतिभा-प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली जय शिव शारदा करमा पार्टी परसोढ़ी कला टीम को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही शहीद वीर नारायण सिंह लोक कला महोत्सव में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली शैल पार्टी तराजू जिला स्तर पर अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुति देगा। कार्यक्रम में लखनपुर जनपद अध्यक्ष शशिकला विक्रम सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष सावित्री दिनेश साहू, उपाध्यक्ष कामेश्वर राजवाड़े, भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी, रवि महंत, भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिनेश साहू, चंद्रिका यादव, राजेंद्र जायसवाल, सचिन अग्रवाल, विक्रम सिंह, महेश्वर राजवाड़े, बुधन सिंह, पार्षद उर्मिला खलखो, एसडीएम रामराज सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी खुशबू शास्त्री, नायब तहसीलदार सर्वेश पटेल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

सक्ती थाना क्षेत्र में सरकारी ठेका दिलाने के नाम पर 15 लाख रुपए की ठगी, आरोपी दीपक टंडन पर मामला दर्ज

सक्ती: सक्ती थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गंभीर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। प्रार्थी किशन शर्मा (निवासी सक्ती) के साथ दीपक टंडन द्वारा सरकारी विभाग में बड़ा टेंडर और काम दिलाने के नाम पर करीब 15 लाख रुपए की ठगी की गई है।

क्या है पूरा मामला?-पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी दीपक टंडन ने प्रभावशाली और बड़े लोगों से अपने संपर्क व संबंध होने का झांसा दिया। इसके बाद प्रार्थी को सरकारी ठेका और बड़ा काम दिलवाने का लालच देकर उससे लगभग 15 लाख रुपए ले लिए। इसके साथ ही, गारंटी के तौर पर ॥ष्ठस्रष्ट बैंक का 4 लाख रुपए का एक चेक भी दिया गया था।



बैंक खाता निकला बंद-जब प्रार्थी द्वारा तय समय पर काम न मिलने पर अपने पैसे वापस मांगे गए, तो आरोपी ने टालमटोल करना शुरू कर दिया। इसके बाद जब प्रार्थी ने बैंक में वह चेक लगाया, तो पता चला कि संबंधित बैंक खाता पहले ही बंद हो चुका है।

पुलिस की कार्रवाई-प्रार्थी की शिकायत पर थाना सक्ती में अपराध क्रमांक 477/2026 दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले में बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) की धारा 318(4) और धोखाधड़ी से संबंधित अन्य धाराओं के तहत आरोपी दीपक टंडन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में आगे की विवेचना की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सिकल सेल एवं थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के स्थायी उपचार की दिशा में काश फाउंडेशन की बड़ी पहल

अंबिकापुर में 14 नवंबर को होगा नि:शुल्क ॥ष्टस्रटेस्ट एवं परामर्श शिविर

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ में सिकल सेल एवं थैलेसीमिया जैसी गंभीर आनुवंशिक रक्त संबंधी बीमारियों से हजारों बच्चे प्रभावित हैं। इन बच्चों को जीवनभर अनेक शारीरिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इन्हीं बच्चों को बेहतर और स्वस्थ जीवन देने के उद्देश्य से 'कोई अपना सा हो'काश फाउंडेशन , रायपुर द्वारा अंबिकापुर में 14 नवंबर को एक विशेष नि:शुल्क ॥ष्ट जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सिकल सेल बीमारी छत्तीसगढ़ में एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती है। इस बीमारी में लाल रक्त कोशिकाओं का आकार बदल



जाता है, जिससे शरीर में रक्त प्रवाह प्रभावित होता है। बच्चों को असहनीय हड्डियों एवं जोड़ों के दर्द, बार-बार संक्रमण तथा अन्य गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कुछ बच्चों को बार-बार रक्त चढ़ाने की आवश्यकता पड़ती है, जबकि कुछ बच्चों को नियमित ब्लड की आवश्यकता नहीं होती। इसके बावजूद बीमारी के कारण जीवनभर स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां बनी रह सकती हैं। थैलेसीमिया मेजर भी एक गंभीर आनुवंशिक बीमारी है। इसमें बच्चे के शरीर में पर्याप्त स्वस्थ हीमोग्लोबिन नहीं बन पाता और उसे सामान्यत: हर 15 से 20 दिन में रक्त चढ़ाने की आवश्यकता होती है। यह प्रक्रिया वर्षों तक, अक्सर जीवनभर चलती रहती है। इन दोनों बीमारियों के लिए बोन मैरो ट्रांसप्लांट कुछ पात्र बच्चों के लिए स्थायी उपचार का विकल्प है। इस दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम ॥ष्ट टेस्ट है, जिससे भाई-बहन अथवा परिवार के अन्य संभावित डोनर का मिलान किया जा सकता है।

अंबिकापुर के लिए गौरव की बात है कि-इस शिविर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि ॥ष्ट टेस्ट के लिए विशेष किट जर्मनी से मंगाई जा रही हैं। लगभग 10,000 रुपये मूल्य का यह टेस्ट इस शिविर में 12 वर्ष तक के बच्चों के लिए नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाएगा इसकी रिपोर्ट 3 महीने बाद जर्मनी से आएगी। इसमें पीड़ित बच्चे के साथ उसके माता-पिता एवं भाई-बहनों के सैंपल लिए जाएंगे। यह जांच मुंह की लार से होगी, इसमें किसी प्रकार का इंजेक्शन या सुई लगाने की आवश्यकता नहीं है। इस शिविर में सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर, विश्रामपुर, जशपुर, नारायणपुर सहित आसपास के जिलों एवं दूरदराज के क्षेत्रों से बच्चे पहुंचेंगे। अब तक लगभग 120 बच्चों का पंजीयन हो चुका है। अंबिकापुर जैसे शहर में इतनी महत्वपूर्ण और महंगी जांच का नि:शुल्क उपलब्ध होना क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

कहीं 1,920 तो कहीं महज 3 हजार रुपये की जब्ती! क्या इतनी छोटी कार्रवाई से खत्म होगा जुआ-सट्टे का नेटवर्क? पुलिस अभिरक्षा में मौत के बाद पहले से सवालों में घिरी पुलिसिंग, अब कार्रवाई की प्रभावशीलता पर उठने लगे सवाल।

चांपा पुलिस की कार्रवाई या सिर्फ खानापूर्ति? जुआ-सट्टे के गढ़ में छोटे जुआरियों पर शिकंजा, बड़े कारोबारियों तक कब पहुंचेगी पुलिस!

जांजगीर-चांपा। मानना पड़ेगा साहब! आपकी ईमानदारी और मुस्तैदी भरी कार्रवाई को... वाह! वीरता पुरस्कार की ओर एक और कदम! लेकिन सवाल यह है कि जिस चांपा क्षेत्र में जुआ-सट्टे और अवैध गतिविधियों को लेकर लगातार चर्चाएं होती रही हैं, वहां पुलिस का अभियान आखिर किन लोगों तक सीमित है? क्या अपराध के बड़े नेटवर्क पर शिकंजा कसने के बजाय चंद जुआरियों को पकड़कर कार्रवाई का आंकड़ा पूरा करना ही पुलिस की प्राथमिकता बन गई है?दीपावली जैसे बड़े त्योहार के दौरान जिले में जुआ, सट्टा और नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई की उम्मीद थी। आम लोगों को आशा थी कि पुलिस ऐसे तत्वों के खिलाफ निर्णायक अभियान चलाएगी, जो त्योहारों की आड़ में अवैध कारोबार संचालित करते हैं। लेकिन चांपा पुलिस की हालिया कार्रवाई के आंकड़े सामने आने के बाद पुलिसिंग की प्रभावशीलता पर सवाल



उठने लगे हैं। जुआरियों पर कार्रवाई, लेकिन जब्ती देखकर उठे सवाल! पुलिस की कार्रवाई के मुताबिक ग्राम कुरदा में जुआ खेलते चार लोगों को पकड़ा गया। उनके कब्जे से 1,920 रुपये नगद और ताश की पत्तियां जब्त की गई। आरोपियों के विरुद्ध जुआ अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।वहीं कोसमंदा गांव में भी जुआ गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब 3 हजार रुपये की जब्ती की गई। कार्रवाई होना निश्चित रूप से पुलिस की जिम्मेदारी का हिस्सा है, लेकिन सवाल इसकी व्यापकता और प्रभावशीलता का है। जिस क्षेत्र में जुआ-सट्टे के नेटवर्क को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं, वहां कार्रवाई का दायरा आखिर इतना सीमित क्यों दिखाई देता है? क्या पुलिस की नजर केवल मौके पर जुआ खेलते मिले लोगों तक ही पहुंच पा रही है या फिर इस अवैध कारोबार को संचालित करने वाले बड़े खिलाड़ियों तक पहुंचने की भी कोई रणनीति है?

छोटी मछलियां गिरफ्त में, बड़े मगरमच्छों पर कब कार्रवाई?

जुआ-सट्टे का कारोबार केवल कुछ लोगों के एक जगह बैठकर ताश खेलने तक सीमित नहीं होता। इसके पीछे कथित तौर पर नेटवर्क, आर्थिक लेन-देन और कारोबार को संचालित करने वाले लोग भी हो सकते हैं। ऐसे में पुलिस की कार्रवाई का मूल्यांकन केवल गिरफ्तारियों और जब्ती की रकम से नहीं, बल्कि इस बात से होना चाहिए कि अवैध गतिविधियों की जड़ तक पहुंचने के लिए क्या कदम उठाए गए। क्या चांपा पुलिस ने जुआ-सट्टे के कथित बड़े नेटवर्क की पहचान की है? क्या अवैध कारोबार से जुड़े आर्थिक लेन-देन की जांच हो रही है? क्या ऐसे लोगों पर कार्रवाई की कोई योजना है, जो पर्दे के पीछे रहकर इस गतिविधि को संचालित करते हैं?ये ऐसे सवाल हैं, जिनका जवाब चांपा क्षेत्र की जनता जानना चाहती है।

पुलिस अभिरक्षा में मौत के बाद जवाबदेही की चुनौती-चांपा पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने की एक और गंभीर वजह हाल ही में सामने आया पुलिस अभिरक्षा में मौत का मामला है। इस घटनाक्रम ने पुलिस की जवाबदेही, पारदर्शिता और कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर सार्वजनिक सवाल खड़े किए हैं। ऐसे संवेदनशील घटनाक्रम के बाद पुलिस के सामने जनता का विश्वास मजबूत करने की बड़ी चुनौती है। लोगों को उम्मीद रहती है कि पुलिस निष्पक्षता, संवेदनशीलता और कानून के दायरे में रहकर काम करेगी। ऐसे समय में केवल छोटी-मोटी कार्रवाइयों की प्रेस विज्ञप्तियां जारी करना पर्याप्त नहीं है। जनता को पुलिस के काम का वास्तविक परिणाम दिखाई देना चाहिए। हालांकि अभिरक्षा में मौत और जुआ-सट्टे के मामलों की प्रकृति अलग-अलग है, लेकिन दोनों ही मामलों में पुलिस की जवाबदेही और जनता के विश्वास का सवाल महत्वपूर्ण है। एसपी के निर्देशन में कार्रवाई, फिर थाना स्तर पर पुलिसिंग की समीक्षा क्यों नहीं?

पुलिस की विज्ञप्तियों में पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में कार्रवाई किए जाने का उल्लेख किया जा रहा है। लेकिन सवाल यह है कि थाना स्तर पर अपराध नियंत्रण की वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन किस आधार पर हो रहा है?

यदि किसी क्षेत्र में अवैध गतिविधियों को लेकर लगातार शिकायतें और चर्चाएं हैं, तो केवल छिटपुट कार्रवाई से संतोष नहीं किया जा सकता। पुलिस अधिकारियों को यह भी देखना होगा कि क्या संबंधित क्षेत्रों में नियमित निगरानी हो रही है, क्या शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई की जा रही है और क्या अवैध कारोबार के बड़े संचालकों तक पुलिस पहुंच रही है? जनता को प्रेस नोट में दर्ज गिरफ्तारियों की संख्या से ज्यादा धरातल पर अपराध नियंत्रण का परिणाम चाहिए। अब पुलिस से जनता के सीधे सवाल-- जुआ-सट्टे के बड़े नेटवर्क की पहचान और जांच के लिए क्या कार्रवाई हुई? - क्या केवल मौके पर जुआ खेलते मिले लोगों पर कार्रवाई करके अभियान पूरा माना जा रहा है?

- कोसमंदा और कुरदा के अलावा संवेदनशील क्षेत्रों में क्या नियमित निगरानी की जा रही है?

- अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ कोई ठोस और परिणामकारी अभियान कब चलेगा?

- पुलिस अभिरक्षा में मौत के मामले में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

प्रेस विज्ञप्ति से आगे बढ़कर धरातल पर परिणाम दिखाने की जरूरत-चांपा पुलिस के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती अपराध नियंत्रण के साथ-साथ जनता का विश्वास मजबूत करने की है। पुलिस की छोटी कार्रवाइयों को नकारा नहीं जा सकता, लेकिन उनसे बड़े अवैध नेटवर्क के खत्म होने का दावा भी नहीं किया जा सकता। सवाल यह नहीं है कि चार जुआरियों को पकड़ा गया या कितनी रकम जब्त हुई। सवाल यह है कि क्या चांपा क्षेत्र में जुआ-सट्टे और नशे के अवैध कारोबार पर वास्तव में अंकुश लग रहा है? पुलिस अधीक्षक को थाना स्तर पर पुलिसिंग की समीक्षा कर यह सुनिश्चित करना होगा कि कार्रवाई केवल प्रेस विज्ञप्तियों तक सीमित न रहे। बड़े कारोबारियों और अवैध गतिविधियों के संचालकों पर कानून के मुताबिक प्रभावी कार्रवाई हो तथा पुलिस अभिरक्षा में मौत जैसे संवेदनशील मामलों में जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। क्योंकि जनता को पुलिस की वीरता का प्रमाण छोटी जब्ती और प्रेस नोट में नहीं, बल्कि अपराधियों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई और सुरक्षित माहौल में दिखाई देना चाहिए। अब देखना यह है कि चांपा पुलिस इन सवालों का जवाब अगली प्रेस विज्ञप्ति से देती है या फिर ऐसी ठोस कार्रवाई करके, जिससे वास्तव में कानून का इकबाल बुलंद हो और जनता का भरोसा पुलिस पर कायम हो सके।

संक्षिप्त समाचार

पलगडी गांव में 15 दिनों तक से चलाया गया नशामुक्ति अभियान, जागरूकता रैली निकालकर ग्रामीणों को दिलाई गई शराबबंदी की शपथ सूचना देने वालों को मिलेगा नकद इनाम



सरगुजा। सरगुजा जिले के आकांक्षी विकासखंड लखनपुर के पलगड़ी गांव को नशामुक्त बनाने और शराबखोरी पर रोक लगाने के उद्देश्य से पिछले 15 दिनों से चलाए जा रहे अभियान के तहत ग्रामीणों ने एक अनूठी पहल की है। नशामुक्ति को लेकर गांव में जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से ग्रामीणों को शराब के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया। इसके बाद ग्रामवासियों को गांव में शराबबंदी बनाए रखने की शपथ दिलाई गई।नशा मुक्ति अभियान के तहत ग्रामसभा में निर्णय लिया गया कि गांव में शराब बनाने और पीने वालों पर आर्थिक जुर्माना लगाया जाएगा। ग्राम सभा के निर्णय अनुसार गांव में शराब बनाने पर 6 हजार रुपये, शराब पीने पर 5 हजार रुपये तथा शराब बनाने और शराब पीकर गांव में आने वाले लोगों की जानकारी देने वाले व्यक्ति को 2 हजार रुपये का नकद इनाम दिया जाएगा।ग्रामीणों का उद्देश्य गांव में नशे पर अंकुश लगाना, सामाजिक वातावरण को बेहतर बनाना तथा परिवारों को शराब से होने वाले नुकसान से बचाना है। इस पहल को सफल बनाने के लिए ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से सहयोग करने का संकल्प लिया। लखनपुर विकासखंड के ग्राम कुंवरपुर कंचनपुर केवरी गोरता के बाद अब पलगड़ी में गांव में पूर्ण शराबबंदी की गई है। इस दौरान सरपंच सुरचना सिंह, सचिव अनिल गुप्ता, उपसरपंच सोनमती प्रजापति, पूर्व सरपंच सूरज सिंह, स्व-सहायता समूह की दीदियां सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम और सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा के मुख्य आतिथ्य में विकासखंड स्तरीय करमा महोत्सव संपन्न



बलरामपुर। जनजातीय संस्कृति, लोककला और परंपराओं के संरक्षण व संवर्धन के उद्देश्य से जिले के विकासखंडों में विकासखंड स्तरीय करमा महोत्सव का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। जनपद पंचायत रामचंद्रपुर में आयोजित महोत्सव में प्रदेश के कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं शंकरगढ़ के स्व. लरंग साय स्टेडियम और राजपुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (महुआपारा) खेल मैदान में हुए आयोजनों में सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा मुख्य अतिथि रहीं। महोत्सव में पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकारों ने मांदर की थाप पर करमा नृत्य और लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। लोकधुनों की लय और कलाकारों के उत्साह ने पूरे वातावरण को सांस्कृतिक रंग में रंग दिया, जिसका दर्शकों ने तालियों से उत्साहवर्धन किया। उल्लेखनीय है कि उत्तर छत्तीसगढ़ क्षेत्र जनजातीय लोकनृत्य महोत्सव (करमा महोत्सव) 2026 ग्राम पंचायत, विकासखंड, जिला और राज्य स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। विकासखंड स्तर पर प्रथम और द्वितीय स्थान पाने वाले दल जिला स्तरीय महोत्सव में प्रस्तुति देंगे। जिला स्तर के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा और उन्हें राज्य स्तर पर प्रदर्शन का अवसर मिलेगा।

कलेक्टर और एसएसपी ने छठ घाट का किया निरीक्षण, आयोजन समिति के साथ व्यवस्थाओं पर चर्चा

कलोआस्था और उल्लास के साथ मनेगा छठ पर्व,अरपा तट पर तैयारियां तेज

■ श्रद्धालुओं की सुविधा, स्वच्छता और सुरक्षा का रखें विशेष ध्यान—कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल

बिलासपुर। लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ के आयोजन को लेकर अरपा नदी स्थित छठ घाट पर तैयारियां तेज हो गई हैं। इस वर्ष 13 से 16 नवंबर तक आयोजित होने वाले पर्व के लिए आयोजन समिति और नगर निगम द्वारा व्यवस्थाएं की जा रही हैं। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल और एसएसपी श्री रजनेश सिंह ने छठ घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने घाट पर आयोजन समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और पर्व के सुव्यवस्थित आयोजन के संबंध में चर्चा की। अरपा तट स्थित छठ घाट पर प्रतिवर्ष बिलासपुर सहित आसपास के शहरों से हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। सूर्योपासना, स्नान और अर्घ्य अर्पण के लिए जुटने वाले श्रद्धालुओं से घाट पर आस्था और उत्साह का वातावरण बनता है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की संभावित उपस्थिति को देखते हुए प्रशासन, नगर निगम और आयोजन समिति के समन्वय से तैयारियां की जा रही हैं। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि छठ पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, स्वच्छता और अनुशासन का संदेश देता है। श्रद्धालु पूरे विश्वास और श्रद्धा के साथ घाट पर आते हैं। उनकी सुविधा और सम्मान का ध्यान रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने घाट की साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश, सुरक्षित आवागमन, पेयजल और स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की जरूरतों का विशेष ध्यान रखने तथा सभी तैयारियां समय से पहले पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि नदी में उतरने वाले



स्थानों को सुरक्षित बनाया जाए और गहरे पानी वाले हिस्सों में श्रद्धालुओं को जाने से रोकने के लिए स्पष्ट संकेत एवं आवश्यक अवरोध लगाए जाएं। घाट पर प्राथमिक उपचार और आपात सहायता की व्यवस्था रहे। उन्होंने आयोजन समिति के स्वयंसेवकों और संबंधित विभागों के बीच निरंतर समन्वय बनाए रखने को कहा, ताकि जरूरत पड़ने पर श्रद्धालुओं को तत्काल सहायता मिल सके। एसएसपी श्री रजनेश सिंह ने कहा कि श्रद्धालु सुरक्षित और शांतिपूर्ण वातावरण में पूजा-अर्चना कर सकें, इसके लिए पुलिस की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएंगी। घाट तक आने-जाने के मार्गों, प्रवेश एवं निकास स्थलों और भीड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। यातायात और पार्किंग की व्यवस्था इस तरह की जाए कि श्रद्धालुओं के आवागमन में बाधा न हो और आपातकालीन वाहनों के लिए रास्ता उपलब्ध रहे। उन्होंने श्रद्धालुओं से निर्धारित मार्गों और पार्किंग स्थलों का उपयोग करने, बच्चों को साथ रखने तथा पुलिस एवं स्वयंसेवकों के निर्देशों का पालन करने की अपील की। आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री प्रवीण झा ने कहा कि अरपा तट का छठ आयोजन श्रद्धा के साथ सामाजिक सहभागिता का भी प्रतीक है। समिति का प्रयास है कि प्रत्येक श्रद्धालु को सुविधाजनक वातावरण में पूजा-अर्चना का अवसर मिले। प्रशासन और नगर निगम के सहयोग से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। समिति के स्वयंसेवक घाट पर श्रद्धालुओं के मार्गदर्शन और सहायता के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने श्रद्धालुओं से नदी और घाट की स्वच्छता बनाए रखने तथा पूजन सामग्री निर्धारित स्थानों पर रखने की अपील की। बैठक में प्रशासन, पुलिस, नगर निगम और आयोजन समिति के समन्वय से पर्व को सुरक्षित, स्वच्छ और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने पर जोर दिया गया।

कुर्मे बांध में नहाने गया 22 वर्षीय युवक गहरे पानी में डूबा मौत.....

लखनपुर। लखनपुर थाना क्षेत्र के कुन्नी पुलिस चौकी अंतर्गत तीरकेला कुर्मे बांध में नहाने के दौरान एक 22 वर्षीय युवक के गहरे पानी में डूबने का मामला सामने आया है। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। युवक की तलाश के लिए मंगलवार सुबह एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंचकर खोजबीन में शुरू की 6 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद एसडीआरएफ की टीम ने गहरे पानी से दोपहर 12.30 बजे युवक के शव को बाहर निकाला गया। इसके बाद कुन्नी पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपुर्द किया है और मार्ग काम करते हुए मामले की जांच की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, रबिल खलखो पिता जुग साय खलखो, उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम तीरकेला 9 नवंबर दिन सोमवार दोपहर बैलों



को दाना खिलाने से पहले अपने साथियों के साथ कुर्मे बांध में मवेशियों को नहलाने गया था। मवेशियों को नहलाने के बाद युवक स्वयं नहाने के लिए बांध के गहरे पानी में उतर गया। इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया और देखते ही देखते पानी में डूब गया।घटना की जानकारी मिलने पर युवक के परिजनों एवं ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। मामले की शिकायत कुन्नी पुलिस चौकी में की गई। शाम होने के कारण 10 नवंबर दिन मंगलवार सुबह एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और युवक की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू किया। 6 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद एसडीआरएफ की टीम ने गहरे पानी से युवक केशव को बाहर निकाला पुलिस ने सब का पंचनामा कार्रवाई कर पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपुर्द किया है इधर पुलिस मर्ग कायम करते हुए मामले की जांच में जुटी है वहीं घटना के बाद से परिवारजनों में शोक का माहौल व्याप्त है।

इन्द्रावतीपुर में खैरवार समाज के सामुदायिक भवन का भूमिपूजन,कृषि मंत्री नेताम ने पूरा किया वादा...

बलरामपुर। रामचंद्रपुर विकासखंड के चरकपथली-इन्द्रावतीपुर-सनावल में खैरवार, खेरवार, खरवार समाज की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हुई। प्रदेश के कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम ने अपने वादे के अनुरूप 25 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन का विधि-विधान से भूमिपूजन किया। इस अवसर पर करमा महोत्सव एवं जनजातीय गौरव दिवस समारोह भी आयोजित हुआ, जिसमें मंत्री श्री नेताम अपनी धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पा नेताम के साथ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समाज के प्रबुद्धजनों और ग्रामीणों ने भवन की सौगात के लिए मंत्री का आभार व्यक्त किया। यह भवन केवल खैरवार समाज तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि क्षेत्र के सभी वर्गों के लोग इसका उपयोग



बैठकों, आयोजनों और सामाजिक कार्यों के लिए कर सकेंगे। इससे आपसी सद्भाव और भाईचारे को बल मिलेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री नेताम ने कहा कि किसी भी समाज की असली ताकत उसकी एकता और जागरूकता में होती है। उन्होंने समाज से संगठित होकर आगे बढ़ने और व्याप्त कुरीतियों को जड़ से समाप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ परिवार से ही सशक्त समाज बनता है, इसलिए महिलाओं और बच्चों के पोषण पर विशेष ध्यान दिया जाए। ग्रामीणों से उन्होंने अपील की कि बीमारी की स्थिति में नजदीकी प्राथमिक या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचकर ही उपचार कराएँ, जहाँ शासन ने योग्य चिकित्सक और आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई हैं। क्षेत्र के विकास पर उन्होंने बताया कि बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है और बिजली, सड़क सहित अधोसंरचना के अनेक कार्य प्रगति पर हैं।

मनेंद्रगढ़ में 8.68 करोड़ की लागत से बनेगा नर्सिंग कॉलेज, स्वास्थ्य मंत्री ने किया शिलान्यास.....

एमसीबी। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में मनेंद्रगढ़ को एक बड़ी सौगात मिली है। क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और युवाओं को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में 8 करोड़ 68 लाख 35 हजार रुपये की लागत से प्रस्तावित नर्सिंग कॉलेज के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इस संस्थान के शुरू होने से क्षेत्र के युवाओं और युवतियों को नर्सिंग शिक्षा प्राप्त करने के बेहतर अवसर मिलेंगे। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रशिक्षित एवं कुशल मानव संसाधन तैयार करने में भी महत्वपूर्ण मदद मिलेगी। नर्सिंग कॉलेज के निर्माण को क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे मनेंद्रगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को नर्सिंग की पढ़ाई के लिए दूर-दराज के शहरों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। वहीं, भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में रोजगार और करियर के नए अवसर भी विकसित होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत जिला एमसीबी के श्रद्धालुओं को धार्मिक यात्रा पर रवाना करने का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। श्रद्धालुओं की अमृतसर स्थित पवित्र श्री हरमंदिर साहिब एवं वैष्णो माता मंदिर की तीर्थयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों एवं पात्र श्रद्धालुओं को धार्मिक स्थलों के दर्शन का अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना का उद्देश्य ऐसे लोगों की धार्मिक आस्था को सम्मान देते हुए उन्हें तीर्थयात्रा की सुविधा प्रदान करना है।

जनजातीय लोकनृत्य महोत्सव में मांदर की थाप पर थिरके आदिवासी कलाकार,करमा नृत्य ने मोहा मन

लखनपुर। जनजातीय गौरव सप्ताह के अवसर पर गोला मुट्ठी संगठन एवं आशा ज्योति निवास सोशल सेंटर लखनपुर के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम लोसंगा स्थित धान खरीदी केंद्र मैदान में जनजातीय लोकनृत्य महोत्सव 'आदिवासी महातिहार' का भव्य आयोजन किया गया। महोत्सव का मुख्य उद्देश्य आदिवासी समाज की गौरवशाली परंपराओं, लोक संस्कृति और प्राचीन विरासत का संरक्षण एवं संवर्धन करना तथा नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक पहचान से परिचित कराना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज रहे। पारंपरिक कर्मा गीतों और मांदर की थाप के बीच नृत्य करते हुए कलाकारों ने विधायक का आत्मीय स्वागत किया। पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार हाथ धुलाकर उन्हें कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश कराया गया। इसके पश्चात मैदान में स्थापित करम वृक्ष की डाल के नीचे विधायक ने विधिवत पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम का



शुभारंभ आदिवासी समाज के महानायक भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। उपस्थित अतिथियों का बैच लगाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। महोत्सव में गोला मुट्ठी संगठन द्वारा आदिवासी संस्कृति पर आधारित विभिन्न प्रदर्शनी स्टॉल लगाए गए थे। इनमें पारंपरिक दलहन, तिलहन, कृषि कार्यों में उपयोग किए जाने वाले प्राचीन औजार तथा जनजातीय समाज के पारंपरिक खानपान की प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रही। विधायक प्रबोध मिंज ने सभी स्टॉलों का अवलोकन कर जनजातीय जीवनशैली और परंपराओं की सराहना की। इस अवसर पर विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि प्रदेश सरकार आम जनता के हितों के साथ-साथ जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और गौरव के संरक्षण के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आदिवासी बाहुल्य एवं पिछड़े क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता देते हुए सरकार द्वारा सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। पहुंचविहीन क्षेत्रों को सड़क सुविधा से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। क्षेत्रवासियों की मांग पर कई छोटी-बड़ी सड़क परियोजनाओं सहित अन्य विकास कार्यों को भी स्वीकृति दिलाई गई है। विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आदिवासी समाज के लोगों को लाभान्वित करने का कार्य किया जा रहा है। महोत्सव के दौरान विभिन्न पंचायतों से पहुंचे कर्मा नृत्य दलों के बीच प्रतियोगिता आयोजित की गई।

बिलासपुर में 15 नवंबर से 154 केंद्रों पर धान खरीदी,तैयारियां अंतिम चरण में

■ 14 नए केंद्र खुलने से किसानों को मिलेगी सुविधा; वास्तविक किसानों को लाभ दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता—कलेक्टर

■ छोटे किसानों को पहले अवसर, नोडल अधिकारी 36 बिंदुओं पर तैयारियां जांचकर देंगे रिपोर्ट

बिलासपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की घोषणा के अनुरूप बिलासपुर जिले में 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू होगी। इस वर्ष 14 नए खरीदी केंद्र बढ़ने के साथ जिले के कुल 154 उपार्जन केंद्रों में किसानों से धान खरीदा जाएगा। केंद्रों में खरीदी की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने समय-सीमा की बैठक में तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय से पहले सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान की खरीदी की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता का कार्य है। शासन इसके लिए बड़ी राशि खर्च करता है, ताकि किसानों को उनकी उपज का वाजिब मूल्य मिले और उनके जीवन स्तर में सुधार आए। उन्होंने निर्देश दिए कि अपनी मेहनत की उपज बेचने आने वाले वास्तविक किसानों को केंद्रों में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। खरीदी का लाभ पात्र किसानों तक पहुंचे, इसके लिए कोचियों और बिचौलियों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। छत्तीसगढ़ में धान की खेती बड़ी संख्या में किसान परिवारों की आजीविका का आधार है। धान खरीदी किसानों की वर्षभर की मेहनत को आर्थिक संबल देती है। इससे प्राप्त आय खेती की अगली तैयारी के साथ बच्चों की पढ़ाई, परिवार की जरूरतों और अन्य आवश्यक खर्चों को पूरा



करने में मददगार होती है। किसानों की क्रय शक्ति बढ़ने से गांवों के बाजार और स्थानीय कारोबार को भी गति मिलती है। ऐसे में सुव्यवस्थित और पारदर्शी धान खरीदी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कलेक्टर ने प्रत्येक खरीदी केंद्र में किसानों के बैठने, पेयजल और स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। सभी केंद्रों के लिए जिला प्रशासन की ओर से नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। ये अधिकारी कलेक्टर के प्रतिनिधि के रूप में खरीदी प्रक्रिया पर बारीकी से नजर रखेंगे और किसी भी गड़बड़ी की आशंका होने पर सीधे उन्हें अवगत कराएंगे। कलेक्टर ने नोडल अधिकारियों को 15 नवंबर से पहले संबंधित केंद्रों का निरीक्षण कर तैयारियां पूर्ण होने की रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। रिपोर्ट में शासन की निर्धारित चेकलिस्ट के सभी 36 बिंदुओं की स्थिति स्पष्ट रूप से दर्ज करनी होगी। बैठक में बताया गया कि खरीदी केंद्रों में बारदाने पहुंच चुके हैं। इनमें आधे नए और आधे पुराने बारदाने हैं। कलेक्टर ने बारिश की संभावना को ध्यान में रखते हुए धान को सुरक्षित रखने के लिए तिरपाल की पर्याप्त व्यवस्था पहले से करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि 15 नवंबर को जिले के सभी 154 केंद्रों में खरीदी प्रारंभ की जाएगी। बाहरी धान की आवक रोकने के लिए मंडी और वन विभाग के बैरियर सक्रिय कर दिए गए हैं। इन स्थानों पर वाहनों के प्रवेश और उनमें लदी सामग्री की जांच की जा रही है। कलेक्टर ने किसानों से अपील की कि वे अपनी ऋण पुस्तिका किसी अन्य व्यक्ति को न दें, ताकि उसका दुरुपयोग न हो और धान खरीदी का लाभ वास्तविक किसानों को ही मिले। कलेक्टर ने पिछले वर्ष धान बेचने वाले ऐसे किसानों से संपर्क करने के निर्देश भी दिए, जिनका इस वर्ष अब तक पंजीयन नहीं हो पाया है। उन्होंने इन किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में बताया गया कि टोकन की व्यवस्था ऑनलाइन और समिति स्तर, दोनों माध्यमों से रहेगी। 70 प्रतिशत टोकन 'तुहर टोकन' ऐप के माध्यम से और 30 प्रतिशत समिति स्तर से जारी किए जाएंगे। धान खरीदी में छोटे किसानों को पहली प्राथमिकता दी जाएगी। बैठक में कलेक्टर ने अन्य लंबित प्रकरणों के साथ सीएम हेल्पलाइन, पीएम सूर्यघर योजना, पारस पोर्टल, जनगणना कार्य तथा अधिकारियों द्वारा छात्रावासों के निरीक्षण की भी समीक्षा की।

जंगल में दो भालुओं का हमला, 56 वर्षीय तिवारी गंभीर रूप से घायल

■ खेत जाने के दौरान अचानक दो भालुओं ने बोला हमला, सिर और हाथ में आई गंभीर चोटें

सूरजपुर। रामानुजनगर जिले के ग्राम साल्ही (आमगांव) निवासी 56 वर्षीय तिवारी सिंह पर जंगल में दो भालुओं ने अचानक हमला कर दिया। घटना लगभग शाम 5 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, तिवारी सिंह खेत की ओर गए हुए थे, तभी जंगल में मौजूद दो भालुओं ने उन पर हमला बोल दिया। इस हमले में उनके सिर और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। अचानक हुए भालुओं के हमले से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। घटना ने



एक बार फिर जंगल से लगे ग्रामीण इलाकों में वन्यजीवों के हमले और आम लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीणों ने वन विभाग से घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने तथा जंगल और खेतों की ओर जाने वाले ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

एसएस राजामौली की 'वाराणसी' ने रिलीज से पहले रचा इतिहास

साउथ सिनेमा के मशहूर निर्देशक एसएस राजामौली इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं। 'आरआरआर' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म देने के बाद राजामौली एक बार फिर बड़े पर्दे पर भव्य कहानी लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में महेश बाबू लीड रोल में नजर आएंगे।फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही काफी उत्साह है। अब इसकी रिलीज से पहले एक बड़ी खबर सामने आई है। फिल्म ने अपनी तेलुगु थिएट्रिकल डील से बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है।



तेलुगु123 की रिपोर्ट के अनुसार, 'वाराणसी' के तेलुगु थिएट्रिकल राइट्स 300 करोड़ रुपये में बेचे गए हैं। मैथ्री मूवी डिस्ट्रीब्यूटर्स एलएलपी) ने फिल्म के तेलुगु थिएट्रिकल राइट्स हासिल कर लिए हैं। इतनी बड़ी रकम में राइट्स बिकना फिल्म के कारोबार के लिहाज से एक बड़ी बात मानी जा रही है।इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि ट्रेड में फिल्म को लेकर कितनी उम्मीदें हैं। हालांकि, मेकर्स की ओर से इस डील को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। थिएट्रिकल डील के अलावा फिल्म के ओटीटी राइट्स को लेकर भी बड़ी खबर है। रिपोर्ट्स के अनुसार, नेटफ्लिक्स ने 'वाराणसी' के डिजिटल राइट्स हासिल किए हैं। हालांकि, इस डील की कीमत का खुलासा नहीं हुआ है। फिल्म की रिलीज से पहले ही इसके थिएट्रिकल और डिजिटल राइट्स की खूब चर्चा हो रही है।'वाराणसी' में महेश बाबू के साथ प्रियंका चोपड़ा जोनस और पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनके अलावा प्रकाश राज भी फिल्म का हिस्सा हैं। ये बड़े स्तर पर बनाई जा रही फिल्म है, जिसकी कहानी दुनिया के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचेगी। फिल्म को श्री दुर्गा आर्ट्स और शोइंग बिजनेस के बैनर तले प्रोड्यूस किया जा रहा है।फिल्म के म्यूजिक की जिम्मेदारी ऑस्कर विजेता संगीतकार एमएम कीरावानी संभाल रहे हैं। राजामौली के निर्देशन में बन रही इस फिल्म से दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं। 'वाराणसी' दुनियाभर के सिनेमाघरों में 7 अप्रैल, 2027 को रिलीज होगी। फिल्म को कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। अब देखना होगा कि रिलीज के बाद यह बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन करती है।

नयनतारा की 'मूकुथी अम्मन १' को बॉक्स ऑफिस पर मिला वीकेंड का फायदा

साउथ सिनेमा की 'लेडी सुपरस्टार' नयनतारा इन दिनों अपनी फिल्म 'मूकुथी अम्मन 2' को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी ये फिल्म 6 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को दर्शकों से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला है। बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत के बाद वीकेंड पर इसकी कमाई में अच्छा उछाल देखने को मिला। हालांकि, वीकडेज शुरू होते ही फिल्म की कमाई एक बार फिर गिर गई है।

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक, 'मूकुथी अम्मन 2' ने रिलीज के पांचवें दिन यानी मंगलवार को भारत में 2.10 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया।इसमें तमिल भाषा से 1.93 करोड़ रुपये और तेलुगु भाषा से 17 लाख रुपये की कमाई हुई। इस दौरान फिल्म के कुल 1,605 शोज रहे और ऑक्यूपेंसी 32.16% दर्ज की गई। इसी के साथ फिल्म की भारत में कुल नेट कमाई 16.18 करोड़ रुपये और ग्रॉस कलेक्शन 18.72 करोड़ रुपये हो गया है।'मूकुथी अम्मन 2' ने बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन 1.88 करोड़ रुपये के कलेक्शन के साथ शुरुआत की थी। इसके बाद दूसरे दिन फिल्म की कमाई में हल्की बढ़त देखने को मिली और इसने 2.45 करोड़ रुपये का कारोबार किया। वहीं, तीसरे दिन फिल्म ने रफ्तार पकड़ी और इसकी कमाई बढ़कर 4.60 करोड़ रुपये पहुंच गई।



चौथे दिन भी फिल्म का प्रदर्शन बेहतर रहा और इसने 5.15 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। अब देखना होगा कि ये फिल्म आने वाले दिनों में कैसा परफॉर्म करती है। नयनतारा की फिल्म 'मूकुथी अम्मन 2' साल 2020 में आई तमिल भक्तिमय कॉमेडी फिल्म 'मूकुथी अम्मन' का सीक्वल है। ये एक डिवोशनल फैंटेसी-कॉमेडी फिल्म है, जिसमें नयनतारा एक बार फिर देवी के किरदार में नजर आ रही हैं।

'मातृभूमि' का ट्रेलर देख सलमान खान के फैन हुए डायरेक्टर वामशी

सलमान खान की मच अवेटेड फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो चुका है। इस फिल्म ने मेकर्स के सब्र का लंबा इम्तिहान लिया है। इस फिल्म का नाम बदलने से लेकर इसके एक बड़े हिस्से की शूटिंग तक, मेकर्स ने फिल्म रिलीज करने के लिए काफी जद्दोजहद की है।अब फिल्म का ट्रेलर सामने आने के बाद फिल्ममेकर वामशी पेडिपल्ली ने भी सलमान खान की मेहनत, संघर्ष और इस फिल्म के प्रति उनके समर्पण की जमकर तारीफ की है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर फिल्म का ट्रेलर रीपोस्ट करते हुए फिल्म की सक्सेस की कामना की है। वामशी पेडिपल्ली ने एक्स पर 'मातृभूमि' का ट्रेलर रीपोस्ट करते हुए सलमान खान के लिए एक खास मैसेज लिखा। उन्होंने कहा कि अब इंतजार खत्म हो गया है। वामशी ने सलमान को संबोधित करते हुए लिखा, 'सर, मुझे पता है कि आपने इस फिल्म के लिए कितने बलिदान दिए हैं और किस तरह के



स्ट्रेस से गुजरे हैं। फिल्म में आपकी ताकत और कमिटमेंट साफ नजर आ रही है।'उन्होंने आगे सलमान खान को फिल्म के लिए ढेर सारा प्यार दिया और फिल्म की पूरी टीम को बेस्ट विशेज देते हुए लिखा, 'सर, आपको वह सारा प्यार, सुकून और सफलता मिले, जो आप सच में डिसर्व करते हैं। अपूर्व लाखिया, चित्रांगदा सिंह और पूरी टीम को भी मेरी ओर से ढेरों शुभकामनाएं' बता दें कि सलमान खान की इस फिल्म का नाम पहले 'बैटल ऑफ गलवान' रखा गया था। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी यह फिल्म साल 2020 में गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़प पर आधारित है।

हुमा कुरैशी की पॉपुलर वेब सीरीज 'महारानी' का प्रोमो जारी

एक्ट्रेस हुमा कुरैशी एक बार फिर अपनी चर्चित पॉलिटिकल ड्रामा सीरीज 'महारानी' के नए सीजन के साथ दर्शकों के बीच लौटने के लिए तैयार हैं। सीरीज के पांचवें सीजन का इंतजार कर रहे फैंस के लिए मेकर्स ने बुधवार को इसका पहला प्रोमो जारी कर दिया है। इस बार रानी भारती की कहानी में राजनीति के साथ-साथ निजी जिंदगी से जुड़े कई नए मोड़ देखने को मिलेंगे। प्रोमो के साथ मेकर्स ने यह भी साफ कर दिया है कि इस बार रानी की लड़ाई पहले से ज्यादा पर्सनल होने वाली है।



मेकर्स ने सोशल मीडिया पर सीरीज का प्रोमो शेयर करते हुए लिखा, 'कुछ कर्ज वक्त के साथ नहीं, बल्कि हिसाब के साथ उतरते हैं। रानी भारती वापस आ गई है और इस बार यह पर्सनल है'। इस छोटी सी झलक ने नए सीजन को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है।प्रोमो से हिंट मिलता है कि पांचवें सीजन में रानी भारती के सामने कई नई चुनौतियां आने वाली हैं। कहानी में अप्रत्याशित मोड़ और बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। पिछले चार सीजन में दर्शकों ने रानी को एक साधारण महिला से बिहार की ताकतवर राजनीतिक शख्सियत बनते देखा है। सत्ता की लड़ाई, राजनीतिक साजिशों और निजी महत्वाकांक्षाओं के बीच उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। अब नए सीजन में उनकी यह यात्रा एक नए पड़ाव पर पहुंचने वाली है। रानी भारती का किरदार निभाने वाली हुमा कुरैशी भी पांचवें सीजन को लेकर काफी उत्साहित हैं। एक्ट्रेस हुमा कुरैशी का मानना है कि इस बार की कहानी दर्शकों को कई स्तरों पर हैरान करेगी। उन्होंने कहा, 'मुझे सच में लगता है कि सीजन 5 दर्शकों को कई तरह से सरप्राइज करेगा। महारानी के हर सीजन ने मेरे लिए एक एक्टर के तौर पर कुछ नया लाया है, लेकिन यह वाला खास तौर पर स्पेशल लगता है'। इस सीजन की कहानी काफी दमदार होने वाली है। इसमें ऐसे अप्रत्याशित ट्विस्ट और बदलाव होंगे, जो शुरुआत से ही दर्शकों को कहानी से जोड़े रखेंगे। रानी की जिंदगी इस बार एक और दिलचस्प मोड़ लेने वाली है और वह यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि दर्शक उनके इस सफर पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।

'रामायण' बनी बॉलीवुड की छठीं हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म



रणबीर कपूर और साई पल्लवी इन दिनों फिल्म 'रामायण' की रिलीज को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म जबसे बॉक्स ऑफिस पर आई हुई है तभी से छाई है। इसकी रिलीज से पहले से ही सुर्खियों में बनी हुई है। इसे लेकर अच्छा खासा बज बना हुआ है। फिल्म को इंडिया के साथ ही नॉर्थ अमेरिका में भी काफी पसंद किया जा रहा है। दरअसल, 'रामायण' ने नॉर्थ अमेरिका में बॉक्स ऑफिस पर 'दंगल' फिल्म का रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जिसके बाद ये बॉलीवुड की छठी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म भी बन गई है। चलिए बताते हैं कलेक्शन। 'रामायण' के नॉर्थ अमेरिका की कमाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं। कोईमोई के अनुसार, फिल्म ने पहले मंडे यानी कि 5वें दिन 1.37 मिलियन डॉलर का ग्रॉस कलेक्शन किया था। पहले दिन के मुकाबले यहां पर 8.05% की गिरावट आई थी। इसने 1.49 मिलियन डॉलर का बिजनेस किया था। फिल्म का 5 दिनों का नॉर्थ अमेरिका का ग्रॉस कलेक्शन 13.64 मिलियन डॉलर हो चुका है, जो कि इंडियन रूपये में 128 करोड़ के बराबर है।

फीचर

आज का राशिफल

मेष राशि - मेष राशि वालों के लिए कल का दिन पारिवारिक और धार्मिक मामलों में अनुकूल रह सकता है। परिवार में किसी शुभ या मांगलिक कार्य को लेकर बातचीत आगे बढ़ेगी। आत्मीय स्वजनों और मित्रों का सहयोग मिलेगा। हालांकि रोग, कर्ज और विरोधियों से जुड़ी चिंताएं परेशान कर सकती हैं। अचानक कुछ जरूरी खर्च सामने आ सकते हैं, जिससे आर्थिक दबाव महसूस होगा।

वृषभ राशि - वृषभ राशि के जातकों के लिए कल का दिन मान-सम्मान और सफलता लेकर आ सकता है। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरी और व्यापार से जुड़े लोगों को अनुकूल परिणाम मिल सकते हैं। किसी प्रभावशाली व्यक्ति की मदद से लंबे समय से अटका महत्वपूर्ण काम पूरा होने की संभावना है। आय के नए स्रोत मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है।

मिथुन राशि - मिथुन राशि वालों के लिए कल का दिन बुद्धि और समझदारी के दम पर आगे बढ़ने का रहेगा। नौकरी और व्यापार में आ रही परेशानियों को दूर करने में सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक काम से की जाने वाली यात्राएं लाभकारी साबित होंगी। लंबे समय से फंसे हुए पैसों की वापसी होने की संभावना है।

कर्क राशि - कर्क राशि के जातकों के लिए कल का दिन कई मामलों में सकारात्मक रह सकता है। धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र में आपको कोई सराहनीय काम करने का अवसर मिलेगा। लंबे समय से मन में चल रही महत्वाकांक्षाएं पूरी होने की दिशा में आगे बढ़ेंगी। नौकरीपेशा लोगों को बदलाव या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है।

सिंह राशि - सिंह राशि वालों को कल अपने गुस्से और जल्दबाजी पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। छोटी-छोटी बातों पर क्रोध करने से परिवार और कार्यक्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है। बातचीत करते समय अपनी वाणी पर विशेष ध्यान दें। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें, चोट लगने या दुर्घटना की आशंका रह सकती है।

कन्या राशि - कन्या राशि के जातकों के लिए कल का दिन उपलब्धियों से भरा रह सकता है। नौकरी में स्थानांतरण या पदोन्नति की संभावना बन रही है। लंबे समय से अधूरे पड़े महत्वपूर्ण काम पूरे हो सकते हैं। आर्थिक लाभ मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा। व्यापार और उद्योग से जुड़े लोगों को पुराने गतिरोध से राहत मिल सकती है।

तुला राशि- तुला राशि वालों के लिए कल का दिन शिक्षा, नौकरी और पारिवारिक जीवन के लिहाज से अच्छा रह सकता है। विद्यार्थियों को परीक्षा और प्रतियोगिता में सफलता मिलने के योग हैं। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि के जातकों के लिए कल का दिन उत्साह और सकारात्मकता लेकर आ सकता है। परिवार या मित्रों की ओर से कोई सुखद समाचार मिलने की संभावना है। व्यापार की स्थिति में सुधार होगा और आर्थिक लाभ संतोषजनक रह सकता है। लंबे समय से अटके काम पूरे होने से मन में नया उत्साह आएगा।

धनु राशि- धनु राशि वालों के लिए कल का दिन सफलता और खुशियों से भरा रह सकता है। लंबे समय से मन में चल रही इच्छाएं पूरी होने की संभावना है। कोई महत्वपूर्ण समाचार मिलने से उत्साह बढ़ेगा। विरोधियों पर विजय प्राप्त होगी और कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत होगी।

मकर राशि - मकर राशि के जातकों के लिए कल का दिन आर्थिक और पारिवारिक मामलों में राहत देने वाला हो सकता है। आय के साधनों में सुधार होगा और पुराने कर्ज या परेशानियों से छुटकारा मिलने की संभावना है। घर-परिवार में सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा। मित्रों और स्वजनों के सहयोग से लाभ के नए अवसर मिल सकते हैं।

कुंभ राशि- कुंभ राशि वालों के लिए कल का दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव वाला रह सकता है। भूले-बिसरे प्रसंग फिर से सामने आ सकते हैं। अपनी व्यवहार कुशलता और बुद्धिमानी से कई उलझनों का समाधान निकालने में सफल रहेंगे। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी और मानसिक तनाव महसूस हो सकता है।

मीन राशि- मीन राशि वालों के लिए कल का दिन स्वास्थ्य, आर्थिक और पारिवारिक मामलों में अच्छा रह सकता है। अपनी सेहत का ध्यान रखने से ऊर्जा और उत्साह बना रहेगा। लंबे समय से बकाया रकम वापस मिलने की संभावना है। किसी अनुभवी या प्रभावशाली व्यक्ति के सहयोग से नौकरी और व्यापार में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं।

पहली बार छठ पूजा कर रहे हैं? पहले जान लें ये जरूरी बातें

छठ पूजा सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि आस्था, अनुशासन और साफ-सफाई से जुड़ा महापर्व है। इस दौरान व्रती महिलाएं और पुरुष भगवान सूर्य और छठी मैया की पूजा करते हैं। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व में नहाय-खाय से लेकर उगते सूर्य को अर्घ्य देने तक कई परंपराओं का पालन किया जाता है।अगर आप इस साल पहली बार छठ पूजा करने जा रहे हैं, तो इसकी तैयारियों को लेकर मन में कई सवाल हो सकते हैं। ऐसे में कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना आपके लिए मददगार हो सकता है।

1. पूजा की शुरुआत से पहले समझ लें चारों दिन का महत्व

छठ पूजा चार दिनों तक चलती है। पहले दिन नहाय-खाय में स्नान के बाद सात्विक भोजन किया जाता है। दूसरे दिन खरना होता है, जिसमें व्रती दिनभर उपवास रखने के बाद शाम को गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण करते हैं। तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है और चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का समापन होता है। इसलिए पहले से ही चारों दिनों की तैयारी कर लें।

2. साफ-सफाई का रखें खास ध्यान

छठ पूजा में साफ-सफाई का विशेष महत्व माना जाता है। पूजा में इस्तेमाल होने वाले बर्तन, चूल्हा, रसोई और पूजा की जगह को अच्छी तरह साफ रखें। प्रसाद बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाली सामग्री भी साफ होनी चाहिए।

3. पूजा का सामान पहले से जुटा लें

छठ पूजा के दौरान कई चीजों की जरूरत पड़ती है। जैसे बांस का सूप, दउरा, नारियल, गन्ना, केला, सेब, मौसमी फल, दीपक और पूजा सामग्री। आखिरी समय में बाजारों की भीड़ से बचने के लिए जरूरी सामान की लिस्ट बनाकर पहले ही खरीदारी कर लें।

4. प्रसाद बनाते समय रखें सावधानी

छठ पूजा में ठेकुआ, गुड़ की खीर और रोटी जैसे प्रसाद बनाए जाते हैं। इन्हें बनाते समय साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें। प्रसाद बनाने के लिए अच्छी गुणवत्ता वाली सामग्री इस्तेमाल करें। साथ ही, इसे रखने के लिए साफ और सूखे बर्तनों का इस्तेमाल करें।

5. व्रत के नियमों को हल्के में न लें

छठ पूजा में व्रत के दौरान कई कठिन नियमों का पालन किया जाता है। खासकर खरना के बाद निर्जला व्रत रखा जाता है, जिसमें पानी भी नहीं पिया जाता। पहली बार व्रत कर रहे हैं तो परिवार के अनुभवी सदस्यों से परंपराओं को अच्छी तरह समझ लें।

6. अर्घ्य देने की जगह पहले ही तय करें



छठ पूजा में नदी, तालाब या घाट पर जाकर सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा है। ऐसे में पहले ही तय कर लें कि आप कहां अर्घ्य देंगे। घाट की साफ-सफाई, वहां पहुंचने का रास्ता और भीड़ का अंदाजा भी लगा लें। बच्चों और बुजुर्गों के साथ जा रहे हैं तो उनकी सुरक्षा का खास ध्यान रखें।



पूजा में जल्दबाजी करने से बचें

छठ पूजा में हर रस्म का अपना महत्व है। इसलिए किसी भी काम को जल्दबाजी में न करें। पूजा की सामग्री, प्रसाद और अर्घ्य की तैयारी समय से पूरी कर लें। परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर जिम्मेदारियां बांट लें, ताकि आखिरी समय में किसी तरह की परेशानी न हो।

छठ महापर्व के पहले दिन कद्दू-भात ही क्यों खाती हैं व्रती महिलाएं?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, छठ महापर्व में शुद्धता का विशेष महत्व होता है और खाने की कोई भी सामग्री बनाते समय शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाता है। नहाय-खाय के दिन कद्दू की सब्जी, चने की दाल और अरवा चावल से बना भोजन तैयार किया जाता है। इस दिन कद्दू और भात खाना जरूरी इसलिए माना जाता है क्योंकि इसे सात्विक भोजन माना जाता है और इसमें लहसुन और प्याज का इस्तेमाल नहीं होता है। चूंकि सात्विक भोजन से तन और मन की शुद्धता बनी रहती है और व्रती महिलाएं पूरी श्रद्धा के साथ व्रत की शुरुआत करती हैं। इसी वजह से नहाय-खाय में कद्दू और भात खाना जरूरी होता है।

छठ महापर्व हिंदू धर्म के सबसे कठिन और पवित्र व्रतों में से एक माना जाता है। यह पर्व भगवान सूर्य और छठी मैया को समर्पित होता है। चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व में व्रती महिलाएं परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की लंबी आयु और खुशहाल जीवन की कामना के लिए कठिन नियमों का पालन करती हैं।छठ पूजा की शुरुआत नहाय-खाय की परंपरा से होती है। इस दिन व्रती महिलाएं स्नान करने के बाद सबसे पहले कद्दू-भात का सेवन करती हैं।अक्सर मन में सवाल आता है कि लौकी भात का सेवन करना छठ पूजा में जरूरी क्यों माना जाता है?

छठ पूजा 2026 कब है नहाय-खाय ?

इस साल 2026 में छठ महापर्व की शुरुआत 13 नवंबर, शुक्रवार से हो रही है जिसमें पहले दिन ही नहाय-खाय के साथ होगी। इस दिन व्रती महिलाएं सुबह जल्दी उठकर स्नान करती हैं और घर की साफ-सफाई करती हैं। इस दौरान पूरे घर में शुद्धता और पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जाता है। नहाय-खाय के दिन से ही छठ व्रत के कठोर नियमों का पालन शुरू हो जाता है और इसी दिन नहाय-खाय की रस्म निभाई जाती है।

कठिन व्रत के लिए शरीर को तैयार करना

छठ पूजा में महिलाएं 36 घंटे का कठिन निर्जला उपवास करती हैं। इस वजह से व्रत शुरू करने से पहले यदि महिलाएं हल्का भोजन करती हैं, तो उन्हें व्रत करने में आसानी होती है और हल्का भोजन आसानी से पांच भी जाता है, जिससे उनकी सेहत पर भी कोई बुरा असर नहीं होता है। यही नहीं कद्दू में पानी की मात्रा भी भरपूर होती है, इसी वजह से व्रत शुरू करने से पहले पानी की अच्छी मात्रा भी शरीर में जाती है और 36 घंटे के उपवास के बाद शरीर में ज्यादा पानी की कमी नहीं महसूस होती है। इस तरह नहाय-खाय के दिन व्रत शुरू करने के पहले हल्का भोजन करना अत्यंत लाभदायक माना जाता है और धार्मिक कारणों के अलावा इससे शरीर को भी ऊर्जा मिलने में मदद होती है।



सीढ़ियों के नीचे भूलकर भी न बनाएं ये चीजें...

सीढ़ियों के नीचे शौचालय बनवाने से बचें

वास्तु मान्यताओं के अनुसार, सीढ़ियों के नीचे शौचालय बनाने से बचना चाहिए। सीढ़ियों को घर की भारी संरचना माना जाता है, जबकि शौचालय को अपशिष्ट से जुड़ी जगह माना जाता है। इसलिए दोनों को एक ही स्थान पर रखना वास्तु की दृष्टि से उचित नहीं माना जाता। मान्यता है कि इससे घर के वातावरण और सुख-समृद्धि पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

सीढ़ियों के नीचे पूजा स्थल न बनाएं

सीढ़ियों के नीचे पूजा घर या पूजा स्थल बनाने से भी बचना चाहिए। वास्तु के अनुसार, पूजा स्थल शांत और पवित्र जगह होनी चाहिए, जबकि सीढ़ियों पर लगातार लोगों की आवाजाही होती रहती है। इसलिए सीढ़ियों के नीचे पूजा स्थल बनाना वास्तु की दृष्टि से अनुकूल नहीं माना जाता।

सीढ़ियों के नीचे रसोई बनाने से बचें

यहां मुख्य कारण अग्नि तत्व बताया जाता है। वास्तु में रसोई को अग्नि तत्व से जोड़ा जाता है, जबकि सीढ़ियां भारी संरचना और लगातार आवाजाही वाला स्थान हैं। इसलिए सीढ़ियों के नीचे खाना पकाने की जगह बनाने को वास्तु के अनुसार अनुकूल नहीं माना जाता। कुछ वास्तु स्रोत इसे स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से भी जोड़ते हैं।

संक्षिप्त समाचार

मां लक्ष्मी एवं काली माता की पूजा बड़े धूमधाम से किया गया,दीवाली का पर्व को भी हर्षोल्लास के साथ मनाया



भटगांव। नगर पंचायत भटगांव में मां लक्ष्मी एवं काली माता की पूजा बड़े धूमधाम से की जा रही है। जहाँ घर-घर में दीपों की रोशनी, रंगोली और फूलों से सजावट देखने को मिल रही है और आतिशबाजी करते दिखा. वहीं बाजारों में पूजा सामग्री, मिठाई और दीपकों की खरीदारी के लिए भीड़ लगी रही। व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठानों में मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा की। मंदिरों में भी विशेष आरती, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने मां लक्ष्मी एवं माँ काली से अपने परिवार के लिए सुख-शांति एवं सौभाग्य की कामना की। वहीं लक्ष्मी पूजा एवं माँ काली के पूजा अर्चना कार्यक्रम मे नगर पंचायत के अध्यक्ष विक्रम कुर्रे, उपाध्यक्ष प्रदीप देवांगन सहित पार्षद महादेवा यादव, पार्षद राम कुमार सिदार, पार्षद लीलाधर वैष्णव, पार्षद संतोष कुर्रे, पार्षद देवेंद्र यादव,पार्षद प्रतिनिधि रमा पटेल, गणेश यादव, रामा हिरवानी शामिल होकर नगवासियो के सुख-शांति, व्यापार में तरक्की और क्षेत्र में खुशहाली की कामना की।

खेत में करंट प्रवाहित तार की चपेट में आने से दो सांभरों की मौत, तीन संदिग्ध फरार

सारंगढ़-बिलाईगढ़। जिले के ग्राम पंचायत सोंडका से वन्यजीवों के अवैध शिकार का एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां खेत में अवैध रूप से बिछाए गए करंट प्रवाहित तार की चपेट में आने से दो सांभरों की मौत हो गई। वहीं, एक सांभर को पकाकर खाने या बेचने की आशंका भी



जताई जा रही है। मामले की सूचना मिलते ही वन विभाग और पशु चिकित्सा विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। वन विभाग के मुताबिक, इस मामले में तीन संदिग्धों की पहचान हुई है, लेकिन तीनों फिलहाल फरार हैं। उनकी तलाश की जा रही है। वहीं, मृत सांभरों का पोस्टमार्टम कराकर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। बड़ा सवाल यह है कि आखिर खेतों में अवैध रूप से करंट प्रवाहित तार बिछाकर बेजुबान वन्यजीवों की जान लेने वालों पर कब सख्त कार्रवाई होगी ? क्षेत्र में वन्यजीवों के अवैध शिकार की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। ऐसे में केवल कार्रवाई का आश्वासन नहीं, बल्कि दोषियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई और भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाना वन विभाग के सामने बड़ी चुनौती है। अब देखना होगा कि वन विभाग इस मामले में फरार संदिग्धों को कब तक गिरफ्तार कर पाता है और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए आगे क्या ठोस कदम उठाए जाते हैं।

धान खरीदी में अनियमितता और लापरवाही पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई, आठ कम्प्यूटर ऑपरेटर सेवा से बर्खास्त

बालोद। जिले में धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी, सुव्यवस्थित और जवाबदेह बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के दौरान धान खरीदी एवं परिदान के पश्चात निर्धारित मात्रा से अधिक धान की कमी पाए जाने तथा कार्य में लापरवाही एवं अनियमितता के मामलों में जिला प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार सहकारिता विभाग द्वारा की गई कार्रवाई के तहत जिले की आठ आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों के कम्प्यूटर ऑपरेटरों को सेवा से बर्खास्त करने के आदेश जारी किए गए हैं। इस कार्रवाई में नोडल अधिकारी सुरेंद्र प्रसाद वैद्य को भी सम्मिलित करते हुए धान खरीदी व्यवस्था की निगरानी एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार धान खरीदी एवं परिदान के बाद 2 प्रतिशत से अधिक धान की कमी पाए जाने पर संबंधित कम्प्यूटर ऑपरेटरों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। इनमें आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित हितेकसा, डौण्डी, कोटागांव, चिखलाकसा, आमाडुला, कुआंगोंदी, मंगलतराई एवं गुदुम के कम्प्यूटर ऑपरेटर शामिल हैं। जांच में धान खरीदी कार्य में लापरवाही एवं अनियमितता के कारण संबंधित समितियों को आर्थिक नुकसान होना पाया गया। इसके आधार पर प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति कर्मचारी सेवा नियम, 2018 के नियम क्रमांक 16.5(2) के तहत संबंधित कम्प्यूटर ऑपरेटरों को सेवा से बर्खास्त किया गया है।

कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का उद्देश्य किसानों को धान विक्रय के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा उपार्जन केंद्रों में खरीदी से लेकर धान के परिदान तक प्रत्येक स्तर पर नियमों का पालन सुनिश्चित हो।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियों के सम्बंध में कलेक्टर की अध्यक्षता में प्रशिक्षण सम्पन्न

अम्बिकापुर। जिले में खरीफविपणन वर्ष 2026-27 के लिए धान उपार्जन की तैयारियां जारी हैं, धान खरीदी का कार्य 15 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को सुचारू और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां की गई हैं। इसके सम्बन्ध में मंगलवार को कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में धान खरीदी एवं उपार्जन की तैयारियों को लेकर कलेक्टरेट सभाकक्ष में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस दौरान जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोमा श्रीवास्तव उपस्थित रहीं। प्रशिक्षण में सर्व अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, खाद्य निरीक्षक, सहकारी निरीक्षक, कृषि उपज मंडी के अधिकारी तथा धान खरीदी केंद्रों से जुड़े ऑपरेटर एवं डाटा एंट्री ऑपरेटर शामिल हुए।

इस दौरान कलेक्टर वसंत ने कहा कि उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए पर्याप्त बारदाना, सुचारु तौल व्यवस्था, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, छाया तथा अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएं। शासन द्वारा निर्धारित सभी बुनियादी और मूलभूत सुविधाएं अनिवार्य रूप से पूरी कर ली जाएं। खरीफविपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले में कुल 62 हजार 471 किसानों का पंजीयन किया गया है, जिनका कुल पंजीकृत रकबा 67 हजार 929.40 हेक्टेयर है। जिले में पूर्व में संचालित 54 धान उपार्जन केंद्रों के अतिरिक्त किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 7 नवीन धान उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं। इसके साथ ही जिले में धान उपार्जन केंद्रों की कुल संख्या बढ़कर 61 हो गई है। इन केंद्रों के माध्यम से पंजीकृत किसानों से धान खरीदी की जाएगी। उन्होंने नवीन केंद्रों में समुचित व्यवस्था समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

तेंदुए की मौत के प्रकरण में विद्युत करंट से शिकार दो आरोपी गिरफ्तार

उक्त गंभीर मामले को लेकर सी सी एफ बिलासपुर मनोज पांडेय बिलाईगढ़ दौरे पर





बिलाईगढ़। वन परिक्षेत्र बिलाईगढ़ अंतर्गत कक्ष क्रमांक 446 में दिनांक 07.11.2026 को गश्ती के दौरान एक नर तेंदुआ मृत अवस्था में पाया गया। घटना की सूचना प्राप्त होते ही वन विभाग द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए वन अपराध प्रकरण क्रमांक 20905/2, दिनांक 07.11.2026 पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

जांच के दौरान घटनास्थल से गेड़ी, सब्बल एवं जी.आई. तार सहित अन्य सामग्री बरामद की गई। जिला स्तरीय पशु चिकित्सकों की टीम द्वारा तेंदुए का शव परीक्षण किया गया तथा मृत्यु के वास्तविक कारणों की जांच हेतु आवश्यक नमूने एकत्रित कर सीलबंद किए गए। इसके पश्चात नियमानुसार शव का अंतिम संस्कार किया गया। प्रकरण की जांच में डॉग स्क्वायड की सहायता ली गई। जांच के दौरान ग्राम गोंदली में खेत में तार बिछाकर विद्युत खंभे से अवैध रूप से करंट प्रवाहित कर वन्यप्राणी का शिकार किए जाने के साक्ष्य प्राप्त हुए। उपलब्ध साक्ष्यों एवं डॉग स्क्वायड से प्राप्त संकेतों के आधार पर दो आरोपियों होरीलाल/किरीट यादव (55 वर्ष) एवं फागूलाल/गणपत यादव (25 वर्ष), दोनों निवासी ग्राम गोंदली, को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों को दिनांक 09.11.2026 को माननीय न्यायालय बिलाईगढ़ के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। प्रकरण की विवेचना जारी है तथा अन्य संदिग्धों की तलाश की जा रही है। यहां यहां बताना लाजिमी है कि वन विभाग बिलाईगढ़ परिक्षेत्र में रेंजर से लेकर अधिकांश कर्मचारी स्थानीय होने के कारण अक्सर घर में ही रहते हैं वनक्षेत्र में ड्यूटी करते ही नहीं है,तथा दबंग मैदानी कर्मचारियों तथा फूल प्लेस रेंजर का अभाव कई वर्षों से बना हुआ है इसके कारण क्षेत्र में अवैध कारोबार तेजी से फल फूल रहा है जिसके वजह से बिलाईगढ़ से लगा जंगल आज 15 किलोमीटर दूर नजर आता है ,चाहे जंगल कटाई का मामला हो या वन्य प्राणी शिकार का मामला या जंगल में आगजनी की घटना, चाहे रिजर्व फॉरेस्ट एरिया में अतिक्रमण का मामला, इस तरह के अवैध कारोबारों पर कोई रोक-टोक नहीं होने से अंदाजा लगाया जा सकता है यहां के अधिकारी कर्मचारी अपने कर्तव्यों के प्रति कितने सक्रिय एवं जागरूक है ।

कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग

प्रबुद्ध नागरिको एवम रहवासियो ने इस पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग किया है। इस घटना के संबंध में सीसीएफबिलासपुर मनोज पांडे का बिलाईगढ़ आगमन हुआ इन्होंने घटनास्थल एवं घटना से जुड़े तथ्यों को बारीकी से देखा। उनका कहना है कि अभी थोड़ा गोपनियता बरतते हुए प्रक्रिया नियमानुसार कर रहे हैं ताकि जितने भी मुलजिम है जल्द से पकड़ में आ जाए फिर इसमें जो भी दोषी होंगे उनके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों को बताए सामुदायिक वनाधिकार के महत्व और कानूनी अधिकार





पेड़ों की छांव में लगा वनाधिकार जागरूकता शिविर

कोयलीबेड़ा। वनांचल क्षेत्र के ग्रामीणों को उनके पारंपरिक वन अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ग्राम गुंदूल में वनाधिकार जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की खास बात यह रही कि कार्यक्रम किसी भवन या सभागार में नहीं, बल्कि गांव में पेड़ों की घनी छांव के नीचे खुले वातावरण में आयोजित हुआ। प्रकृति के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और वनाधिकार कानून से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। शिविर में वनाधिकार मान्यता कानून 2006 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए विशेष रूप से सामुदायिक वनाधिकार के विषय पर विस्तार से समझाया गया। ग्रामीणों को बताया गया कि इस कानून का मुख्य उद्देश्य पीढ़ियों से जंगलों के आसपास निवास कर रहे अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासियों के ऐतिहासिक अन्याय को दूर करना और उनके पारंपरिक अधिकारों को कानूनी मान्यता प्रदान करना है। कानून के तहत व्यक्तिगत वन अधिकारों के साथ-साथ सामुदायिक वन संसाधनों पर भी पात्र समुदायों को अधिकार दिए जाने का प्रावधान है। कार्यक्रम में बताया गया कि जंगल केवल वन उपज प्राप्त करने का साधन नहीं हैं, बल्कि ग्रामीणों की आजीविका, संस्कृति और परंपराओं का अभिन्न हिस्सा हैं। महुआ, तेंदूपत्ता, चार, हर्रा और बहेरा जैसी लघु वनोपज ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति और दैनिक जीवन से जुड़ी हुई हैं। ऐसे में सामुदायिक वनाधिकार की सही जानकारी होना प्रत्येक ग्रामीण के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इस दौरान ग्राम सभा की भूमिका, सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण और उनके प्रबंधन को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। ग्रामीणों को बताया गया कि पात्र समुदाय निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से अपने पारंपरिक वन संसाधनों पर अधिकारों की मान्यता के लिए दावा प्रस्तुत कर सकते हैं।

'श्रमिकों की स्वप्रेरणा से नवाचार के साथ मना रोजगार सह आवास दिवस'

- **'ग्राम पंचायत के विकास के लिए बनने वाली आगामी कार्ययोजना पर हुई चर्चा'**

कोरिया। विकसित भारत जीरामजी योजना के प्रावधानों के अनुरूप ग्राम पंचायतों में श्रमिकों की सक्रिय भागीदारी से रोजगार सह आवास दिवस का उत्साहपूर्वक आयोजन संपन्न हुआ। विगत सात तारीख को ग्राम पंचायतों में चावल उत्सव के साथ आयोजित किए जाने वाले रोजगार सह आवास दिवस में विभिन्न विषयों पर श्रमिकों के साथ चर्चा हुई और सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण विषय ग्राम पंचायत प्लान पर भी श्रमिकों ने अपने सुझाव और वंचित वर्ग की सहभागिता पर बात की। कलेक्टर कोरिया श्रीमती रोक्तिमा यादव के निर्देशन में ग्राम पंचायतों में आयोजित रोजगार सह आवास दिवस पर ग्राम पंचायतों में नवाचार के माध्यम से ग्रामीण विकास की दोनों महत्वपूर्ण योजनाओं को त्योहार के बाद तेज गति से आगे बढ़ाने पर सार्थक चर्चा व संबंधित कार्यवाही पर निर्णय लिए गए।

'वीजीपीपी निर्माण के लिए सहभागिता'

रोजगार सह आवास दिवस पर आगामी वर्षों के लिए विकसित भारत जीरामजी योजनांतर्गत विकसित ग्राम पंचायत के लिए कार्ययोजना बनाने के लिए विस्तार से बात की गई। सभी वर्गों की सहभागिता से ग्राम पंचायतों में विकास के कार्य लिए जाने तथा प्रत्येक कार्य को चयनित करते समय तकनीकी का उपयोग करने पर भी सभी को अवगत कराया गया।

जांजगीर-नैला स्टेशन के प्लेटफॉर्म 2 और 3 के कोच डिस्प्ले खराब, यात्रियों को परेशानी



- **रात 10 बजे के बाद पूरी तरह बंद हो जाते हैं डिस्प्ले, दिन में भी स्पष्ट नहीं दिखती कोच की जानकारी**

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-नैला रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 और 3 पर लगे कोच डिस्प्ले खराब होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन डिस्प्ले पर कोच से संबंधित जानकारी स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देती। यात्रियों का कहना है कि रात 10 बजे के बाद तो डिस्प्ले पूरी तरह बंद हो जाते हैं। ऐसे में ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों को अपने निर्धारित कोच की स्थिति और स्थान पता करने में दिक्कत होती है। स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर लगे डिस्प्ले की स्थिति ऐसी है कि दिन में भी स्क्रीन पर अक्षर और कोच नंबर स्पष्ट नजर नहीं आते। इससे यात्रियों को डिस्प्ले का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं और परिवार के साथ यात्रा करने वाले लोगों को अपना कोच तलाशने में परेशानी हो सकती है। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए लगाए गए इन उपकरणों का नियमित रखरखाव जरूरी है। इसके बावजूद प्लेटफॉर्म नंबर 2 और 3 पर डिस्प्ले की खराब स्थिति बनी हुई है। यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से कोच डिस्प्ले की मरम्मत कराकर उन्हें नियमित रूप से संचालित करने की मांग की है।

नगर पालिका में मिठाई वितरण, स्वच्छता दीदियों के साथ साझा की खुशियां

जांजगीर-नैला। दीपावली के पावन पर्व के अवसर पर नगर पालिका परिषद जांजगीर-नैला में डॉ. प्रतीक यादव द्वारा मिठाई वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने नगर पालिका स्वच्छता दीदियों को मिठाई वितरित कर दीपावली की खुशियां साझा कीं तथा सभी को पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष रेखा देवा गढ़ेवाल, प्रशांत सिंह ठाकुर संगठन प्रभारी भाजपा रायगढ़ , डॉ. संदीप तिवारी, अंशु माली राठौर एवं दुष्यंत राठौर, डॉ तोषिकी यादव सहित अन्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर स्वच्छता दीदियों के योगदान की सराहना करते हुए उनके साथ दीपावली की खुशियां साझा की गईं। सभी ने आपसी प्रेम, सद्भाव, भाईचारे एवं स्वच्छता का संदेश देते हुए दीपावली पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। नगर पालिका परिषद जांजगीर-नैला की ओर से समस्त नगरवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं।

प्रजापति ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय में दीपावली मिलन समारोह में मीठे बोल और नशा मुक्त भारत बनाने का लिया गया संकल्प

सक्ती। प्रजापति ब्रह्मा कुमारी विश्व विद्यालय में दीपावली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि रुक्मणी दीदी कोरबा संचालिका बिंदु दीदी लवली बहन शक्ति विश्वविद्यालय संचालिका मधु बहन के उपस्थिति में दीपावली मिलन कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया इस अवसर पर प्रजापति ब्रह्म कुमारी विश्व विद्यालय की बहनों द्वारा रुक्मणी दीदी बिंदु दीदी बिंदु दीदी मधु दीदी का का पुष्प गुच्छ तिलक लगाकर अभिवादन किया गया।



दीपावली मिलन कार्यक्रम में शामिल भैया बहनों को संबोधित करते हुए बिंदु दीदी ने कहा दीपावली पर्व सभी के घरों और मन के अंधेरों को उजाला करता हैं हर मनुष्य को अध्यात्म के मार्ग पर चलना चाहिए दीपावली का मूल उद्देश्य दी यानी मैने किसी को कुछ दिया पा याने मैने कुछ पाया जब भी हम किसी को खुशी देते हैं तो वह हमें कुछ न कुछ आशीर्वाद देता है दीपावली पर हर व्यक्ति को जो परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है उन्हें हर प्रकार से सहयोग देते हुए उनके घरों में भी दीपक जलाने का कार्य करना चाहिए अगर हमारे एक दीपक का प्रकाश उनके घर में उजाला करेगा तो उनका आशीर्वाद हमारे पूरे परिवार को उजाला करेगा और जो जो मानव आलौकिक प्रकाश से सम्पन्न आत्माएँ है वह कभी किसी के मन को पीड़ा नहीं देती जगत की सभी समस्याओं का मूल कारण आध्यात्मिक दरिद्रता है। दीपावली का प्रकाश पर्व अन्दर की दरिद्रता समाप्त करके ज्ञान, गुण और शक्तियों की सम्पन्नता लाने का संदेश देता है मधु दीदी ने दीपावली के आध्यात्मिक रहस्य को लेकर कहा कि दीपावली सिर्फ घरों की दीप जलाने और खुशियां मनाने का पर्व नहीं है बल्कि यह अपने अंतर्गमन में ज्ञान शांति प्रेम और पवित्रता का प्रकाश फैलाने का संदेश देती है उन्होंने कहा जिस तरह एक छोटा सा दीपक अंधकार को दूर कर रोशनी फैलाता है ।

नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने हरी झंडी दिखाकर बस को किया रवाना, श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह

26 श्रद्धालु अमृतसर सहित विभिन्न तीर्थ स्थलों के लिए रवाना

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ शासन की लोकप्रिय एवं जनकल्याणकारी मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत जिला मुख्यालय बेमेतरा से 26 श्रद्धालुओं को विभिन्न तीर्थ स्थलों के दर्शन के लिए रवाना किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने विधिवत पूजा-अर्चना के पश्चात बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर श्रद्धालुओं के चेहरों पर तीर्थ यात्रा को लेकर विशेष उत्साह और खुशी देखने को मिली। यात्रा के दौरान श्रद्धालु अमृतसर सहित विभिन्न धार्मिक एवं पवित्र तीर्थ स्थलों के दर्शन करेंगे तथा पूजा-अर्चना कर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे। नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने श्रद्धालुओं को



शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना प्रदेश सरकार की एक सराहनीय और संवेदनशील पहल है। इस योजना के माध्यम से बुजुर्गों एवं पात्र श्रद्धालुओं को देश के प्रमुख तीर्थ स्थलों की यात्रा करने का अवसर मिल रहा है। आर्थिक परिस्थितियों के कारण जो लोग तीर्थ यात्रा नहीं कर पाते, उनके लिए यह योजना किसी वरदान से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य केवल विकास कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की धार्मिक, सामाजिक एवं भावनात्मक इच्छाओं का सम्मान करना भी है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना इसी जनकल्याणकारी सोच का उदाहरण है। श्रद्धालुओं ने प्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस योजना को बुजुर्गों के लिए बेहद लाभकारी बताया। बस को रवाना करते समय उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने सभी यात्रियों को सुखद, मंगलमय एवं सुरक्षित यात्रा की शुभकामनाएं दीं। इस पहल से जिला मुख्यालय के श्रद्धालुओं में हर्ष का माहौल रहा।इस अवसर पर श्रम विभाग के अधिकारी बेग जिला उपाध्यक्ष महेश साहू मण्डल अध्यक्ष युगल देवांगन सभापति नीतू कोठारी सभापति विकाश तम्बोली राजू देवांगन देव राम साहू सहित बड़ी संख्या मे श्रधांलु उपस्थित रहे

श्रद्धालुओं ने व्यक्त किया प्रदेश सरकार के प्रति आभार

श्रद्धालुओं ने प्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस योजना को बुजुर्गों के लिए बेहद लाभकारी बताया। बस को रवाना करते समय उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने सभी यात्रियों को सुखद, मंगलमय एवं सुरक्षित यात्रा की शुभकामनाएं दीं। इस पहल से जिला मुख्यालय के श्रद्धालुओं में हर्ष का माहौल रहा। इस अवसर पर श्रम विभाग के अधिकारी बेग जिला उपाध्यक्ष महेश साहू मण्डल अध्यक्ष युगल देवांगन सभापति नीतू कोठारी सभापति विकाश तम्बोली राजू देवांगन देव राम साहू सहित बड़ी संख्या मे श्रधांलु उपस्थित रहे

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com